

झारखंड गजट

असाधारण अंक

झारखंड सरकार वारा काशत

15 अहायण, 1940 (श०)

सं# या-1077 राँची, गु*वार, 6, दस.बर, 2018(ई०)

वध (वधान) वभाग

अ4धसूचना

6, दस.बर, 2018

संया-एल०जी०-20/2018-185/लेज०-- झारखंड 7वधान मंडल का :न.नल;खत अ4ध:नयम िजस पर माननीया रा>यपाल, दनांक 19 नवबर, 2018 को अनुम:त दे चुकAं है, इसके वारा सवDसाधारण कA सूचना के लए काशत Fकया जाता है ।

राम कृ%ण धमा'थ' फाउंडेशन (आर०के०डी०एफ०) व.वव/यालय अध1नयम, 2018

(झारख4ड अध1नयम संया- 22, 2018)

56तावना

झारखंड रा>य मH **राम कृ%ण धमा'थ' फाउंडेशन (आर० के० डी० एफ०) व.वव/यालय** कA Iथापना एवं समावेश के लए और उससे स.बM एक :नजी 7वNव7वयालय के आनुषंगक मामलQ कA िथ:त दान करने हेतु एक अ4ध:नयम ;

2

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

जबFक, यह समयो4चत है Fक मSय देश, भोपाल, होसंगाबाद से सृजित एवं पंजीकृत अयुमती एजुकेशन एंड सोशल सोसाइTV, कॉपXरेट ऑFफस – 202, जोन-१, गंगा यमुना का.ले]स, एमपी नगर, भोपाल, सोसायटV रिजा^ेशन ए]ट, 1973 (पंजीयन सं#या-7407/1999, दनांक 15.10.1999) वारा ायोिजित राम कृbण धमाDथ फाउंडेशन (आर० के० डी० एफ०) 7वNव7वयालय राँची, झारखंड कA Iथापना तथा समावेश और उसके अनुcप :नजी 7वNव7वयालय का दजाD दान करने हेतु और उससे संबM आनुषंगक मामलQ के संदभD मH आवNयक है।

एतद्वारा भारतीय गणरा>य के उeहतरवH वषD मH झारखंड 7वधान-सभा वारा :न.नल;खत cप मH अ4ध:नयमत Fकया जाता है:

5ारंभक

1. सं:;<त नाम, व6तार एवं 5ारंभ:-

- (1) यह अ4धःनयम 'राम कृष्ण धर्मादथ फाउंडेशन (आर०के०डी०एफ०) 7वNव7वयालय अ4धःनयम, 2018 " कहा जाएगा।
- (2) इसका 7वातार स.पूणD झारखड रा>य मH होगा।
- (3) यह उस :त4थ से वृत होगा जैसा Fक रा>य सरकार वारा शासकAय राजपः मH अ4धसूचना जारV कर :नयत Fकया जाय।

2. प?रभाषा:-

अगर इस अ4धःनयम के संदभD मH अेयथा अपेज्कत/आवNयक हो:

- (a) 'अकादमक पनरष' का अथD है 7वNव7वयालय कA अकादमक पनरष जैसा Fक अ4धःनयम कA धारा-24 मH व;णDत है;
- (b) 'वा7षDक :तवेदन' का आशय है 7वNव7वयालय का वा7षDक :तवेदन जैसा अधःनयम कA धारा-39 मH संदभDत है;
- (c) 'बंधन' बोडD' का अथD है, इस अ4धःनयम कA धारा-23 के तहत ग,ठत 7वNव7वयालय का बंधन बोडD;
- (d) 'पनरसर' का आशय है 7वNव7वयालय का केिफल जहाँ यह अविाथत है;
- (e) 'कुला4धपःत' से आशय है 7वNव7वयालय के कुला4धपःत, जो इस अ4धःनयम कA धारा- 12 के अधीन :नयुत हQ;
- (f) 'मु#य 7ववत एवं लेखा पदा4धकारV' का अथD है 7वNव7वयालय के मु#य 7ववत एवं लेखा पदा4धकारV जो अ4धःनयम कA धारा-18 के अधीन :नयुत हQ;
झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018
- (g) 'परVका :नयंक' का अथD है 7वNव7वयालय के परVका :नयंक, िजनकA :नयुित अ4धःनयम कA धारा-19 के अधीन हुई हो;
- (h) 'अंगीभूत महा7वयालय' से आशय है वैसे महा7वयालय अथवा सांथान जो 7वNव7वयालय वारा संपोषत हQ;
- (i) 'कमDचारV' से आशय है 7वNव7वयालय वारा :नयुत कमDचारV; इसके अेतगDत 7वNव7वयालय एवं अंगीभूत महा7वयालय के शकक एवं अेय कमDचारV भी समा,हत हz;
- (j) 'Iथायी :न4ध' का अथD है 7वNव7वयालय कA Iथायी :न4ध िजसकA Iथापना अ4धःनयम कA धारा-37 के तहत हुई हो;
- (k) 'संकाय' से आशय है समान अनुशासनQ के अकादमक 7वभाग;
- (l) 'शु~क' का आशय है 7वNव7वयालय वारा 7वया4थDयQ से उगाहV गयी राश, जो Fकसी पायम तथा उससे संबंधत हो;
- (m) 'सामाेय :न4ध' से आशय है 7वNव7वयालय कA सामाेय :न4ध, िजसकA Iथापना अ4धःनयम कA धारा-38 के अेतगDत हुई हो;
- (n) 'शासी :नकाय' का अथD है 7वNव7वयालय का शासी :नकाय, िजसका गठन अ4धःनयम कA धारा-22 के तहत हुआ हो;
- (o) 'राb^Vय मू~यांकन एवं वयायन पनरष से आशय है राb^Vय मू~यांकन एवं वयायन पनरष, बहगलु, 7वNव7वयालय अनुदान आयोग कA एक Iवायवत सांथा;
- (p) '7व,हत'/:नयत' का अथD है इस अ4धःनयम के तहत 7व,हत/:नयत पनरःनयम और :नयमावलV;

- (q) 'तःकुलपःतः' का अर्थ है 7वNव7व्यालय के तःकुलपःतः, िजनकA :नयुिजित अ4धःनयम कA धारा-15 के तहत हुई हो;
- (r) 'कुलस4चव' का अर्थ है 7वNव7व्यालय के कुलस4चव, िजनकA :नयुिजित अ4धःनयम कA धारा-17 के तहत हुई हो;
- (s) 'नयिी :नकाय' का आशय है भारत सरकार वारा उच शका के अकादमक इतर के सुःनचयन हेतु मानकQ एवं शत के नधाडरण के लिए इथा7पत :नकाय, यथा- 7वNव7व्यालय अनुदान आयोग, अखिल भारतीय तकनीकA शका पनरष, राब^Vय शक शका पनरष, भारतीय 4चकवसा पनरष, बार काउंसल ऑफ इंडया, फामसी काउंसल ऑफ इंडया, राब^Vय मूयांकन एवं वयायन पनरष, भारतीय नसंग पनरष, भारतीय कृष अनुसंधान पनरष, वैाःनक एवं औयो4गक शोध पनरष आ,द तथा इसके अलावा सरकार अथवा कोई वैसा :नकाय, जो भारत सरकार या राय सरकार वारा गठत कया गया हो;

झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

- (t) 'नयमावलV' से आशय है इस अ4धःनयम के अतगडत :नमडत :नयमावलV;
- (u) 'अनुसूची' का अर्थ है इस अ4धःनयम के तहत संलन अनुसूची;
- (v) 7वNव7व्यालय से संबंधत 'वतडक :नकाय' का अर्थ है:-
 (i) सोसाइटीज रिजलेशन एक्ट, 1860 के अतगडत कोई संथा, अथवा
 (ii) इंडयन एक्ट, 1882 के अधीन पंजीकृत कोई लोक त्यास, अथवा
 (iii) फकसी राय कA 7व4ध के अनुप पंजीकृत कोई संथा या त्यास।
- (w) 'राय सरकार' से आशय है झारखड कA राय सरकार;
- (x) 'पनरःनयम' 'असयादेश' और '7वःनयम' का णमशः आशय है, पनरःनयम, असयादेश और 7वःनयम जो इस अ4धःनयम के अतगडत 7वNव7व्यालय वारा :नमडत हQ;
- (y) '7वNव7व्यालय के 7वयाथ' का अर्थ है 7वNव7व्यालय मH उपा4ध, डलोमा अथवा 7वNव7व्यालय वारा इथा7पत अय अकादमक 7वशबटता ात करने हेतु एक पायम मH नामांकत यिजित, िजसमH शोध-उपा4ध भी शामिल है;
- (z) 'शक' से आशय है ोफेसर, एसोसिएट ोफेसर, असाटेट ोफेसर अथवा इस तरह के अय यिजित, िजनकA :नयुिजित 7वNव7व्यालय या फकसी अंगीभूत महा7व्यालय या संथा मH नदशत करने (शकण) अथवा शोधकायड संचालन हेतु हुई हो, इसके तहत अंगीभूत महा7व्यालय अथवा संथान के धानाचायड भी सि.मलत हz, िजनकA संपुिबट 7वNव7व्यालय अनुदान आयोग वारा नधाडनरत :नयमQ के अतगडत हुई हो;
- (aa) '7वNव7व्यालय अनुदान आयोग' से आशय है 7वNव7व्यालय अनुदान आयोग अ4धःनयम, 1956 के अधीन इथा7पत 7वNव7व्यालय अनुदान आयोग;
- (ab) '7वNव7व्यालय' का अर्थ है इस अ4धःनयम के अतगडत झारखड मH इथा7पत राम कृण धमाडथ फाउंडेशन (आर० के० डी० एफ०) 7वNव7व्यालय;
- (ac) 'कुलपःतः' से आशय है 7वNव7व्यालय के कुलपःतः, िजनकA :नयुिजित इस अ4धःनयम कA धारा-13 के तहत हुई हो;
- (ad) '7विजटर'/'अःत4थ'/'आगंतुक' से आशय है 7वNव7व्यालय के 7विजटर/अःत4थ/आगंतुक

यथा इस अ4धःनयम कA धारा-10 मH वःणDत है।

3. व.वव/यालय कC 6थापना:-

- (1) 7वNव7वयालय कA Iथापना राम कृbण धमाDथ फाउंडेशन (आर० के० डी० एफ०) 7वNव7वयालय के नाम से होगी।
झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018
- (2) 7वNव7वयालय का मु#यालय झारखड रा>य के अेतगDत होगा तथा यह रांची मH अविथत होगा।
- (3) वतDक :नकाय को रा>य सरकार वारा ा4धकार पः जारV Fकये जाने के बाद हV 7वNव7वयालय का संचालन आरंभ Fकया जायेगा।
- (4) इस अ4धःनयम कA अनुसूची 'ए' मH सि.मलत शत□ को 7वNव7वयालय :नधाDनरत समयाव4ध मH पूरा करेगा।
- (5) 7वNव7वयालय के शासी :नकाय, बंधन बोडD, अकादमक पnरष, कुला4धपःत, कुलपःत, :त कुलपःत, कुलस4चव, शक, मु#य 7ववत एवं लेखा पदा4धकारV एवं अेय अ4धकारV यासदाय या ा4धकारV एतद्वारा 7वNव7वयालय के नाम से ग,ठत :नकाय बनाएंगे जब तक वे इस पद पर है अथवा उनकAसदायता बनी रहेगी।
- (6) 7वNव7वयालय एक अस.बM 7वNव7वयालय के लप मH कायD करHगे और वे Fकसी भी महा7वयालय या सांथान मH नामांFकत 7वया4थDयQ को उपा4ध (□डी), □डलोमा और माण-पः दान करने हेतु सबMता नहVं दे सकH गे।
- (7) इस अ4धःनयम के भावी होने के पूवD वतDक :नकाय के अंगीभूत महा7वयालय और सांथान, जो स.बMता ात हz और 7वNव7वयालय के 7वशेषा4धकार का उपयोग कर रहे हz वे इस अ4धःनयम के भावी होने के साथ हV उस 7वNव7वयालय से अस.बM हो जाएंगे, उनकA ऐसी सु7वधाएँ इस अ4धःनयम के लागू होने के साथ समात हो जाएंगी और राम कृbण धमाDथ फाउंडेशन (आर० के० डी० एफ०)7वNव7वयालयके वतDक :नकाय वारा दवत सु7वधाओं के साथ ऐसे महा7वयालय और सांथान उस राम कृbण धमाDथ फाउंडेशन (आर० के० डी० एफ०)7वNव7वयालय के अंगीभूत महा7वयालय या सांथान बन जाएंगे।
- (8) राम कृbण धमाDथ फाउंडेशन (आर०के०डी०एफ०) 7वNव7वयालय नाम से एक :नकाय होगा और इस अ4धःनयम के ावधानQ के अनुलप उसके पास सतत् पद-ाित अनु□म और सामाेय :त□ा माणन कA शि]त होगी, स.पःत हण करने व उस पर आ4धपवय रखने, उसे अनुबंध/संवदा पर देने अथवा क4थत नाम से वाद चलाने के अ4धकार हQगे या िजस पर वाद दायर Fकया जा सकेगा।
- (9) 7वNव7वयालय रा>य सरकार अथवा केे□ सरकार से Fकसी भी कार के अनुदान अथवा 7ववतीय सहायता ात नहVं कर सकH गे।
बशत□ Fक रा>य सरकार अथवा केे□ सरकार अनुदान या अेय तरVके से 7ववतीय सहायता दे सकती हैः
 - (a) शोध 7वकास और अेय गःत7व4धयQ के लिए जैसे रा>य सरकार के अेय संगठनQ को 7ववतीय सहायता उपल□ध करायी जाती है अथवा
 - (b) 7वशbट शोध अथवा कायD□म आधानरत कोई गःत7व4ध;

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

4. व.वव/यालय कC सप1त एवं इसके अनु5योग:-

- (1) 7वNव7वयालय कA Iथापना हो जाने पर भूम और अेय चल एवं अचल स.प:तयाँ, जो झारखंड रा>य मH 7वNव7वयालय के उ□ेNय (पू:तD) के लए अ4ध,हत, सृजित, □यविथत या :नमDत कA जाती हz, वे 7वNव7वयालय मH :न,हत हQगी।
- (2) 7वNव7वयालय वारा भूम, भवन और अेय अ4ध,हत स.प:तयाँ Fकसी अेय उ□ेNय के लए इतेमाल नहVं हQगी सवा िजस उ□ेNय के लए वे अ4ध,हत कA गयी हz।
- (3) 7वNव7वयालय कA चल अथवा अचल स.प:तयQ का बंधन शासी :नकाय वारा 7व:नयमQ मH दvत रV:त के अनुcप Fकया जायेगा।
- (4) उप धारा-(1) के अेतगDत 7वNव7वयालय के नाम से हातांतनरत स.प:त को 7वNव7वयालय के 7वघटन अथवा समापन के फलावcप :नधाDनरत ढंग से :नयमावलV मH व:णDत तरVके से युत Fकया जाएगा।

5. व.वव/यालय के 1नबHधन/अवरोध और बाJयताएँ:-

- (1) 7वNव7वयालय के □यावसा:यक पाय□मQ, यथा-अभयंण एवं ौयो4गकA, 4चFकvसा- शाIi, बंधन आ,द के लए शकण-शु~क का :नधाDरण 7वNव7वयालय के वारा रा>य सरकार वारा अ4धसू4चत समय-समय पर :नयामक :नकाय, जैसा वह उ4चत समझेगी, के पयDवेकण मH Fकया जाएगा।
- (2) 7वNव7वयालय मH नामांकन पूरV तरह यो□यता के आधार पर होगा। 7वNव7वयालय मH नामांकन कA यो□यता का :नधाDरण ातांक या अहDता परVका मH ात ेड और पायेतर और अ:तनरत पायचयाD ग:त7व4धयQ अथवा रा>य Iतर पर 7वNव7वयालय या 7वNव7वयालयQ के संगठन या रा>य सरकार के Fकसी अभकरण वारा समान पाय□मQ के लए संचालत वेश परVका मH ात अंकQ या ेड के आधार पर Fकया जाएगा।

बशत□ Fक 7वNव7वयालय के □यावसा:यक शकण महा7वयालयQ अथवा सांधानQ मH नामांकन :नयंी :नकाय के ावधानQ वारा शासत/:नयमत हो।

- (3) :नधDन एवं आ4थDक ःबिट से 7पछड़े वग□ के 7वया4थDयQ के लए 7वNव7वयालय कोशकण शु~क मH पूरV कमता के कम से कम पाँच :तशत को मेधा छाivृ:त कA अनुम:त देनी होगी। :नधDनता तथा आ4थDक ःबिट से 7पछड़े वग□ कA कसौटV का :नधाDरण रा>य सरकार वारा समय-समय पर Fकया जा सकेगा।
- (4) 7वNव7वयालय के 7वया4थDयQ कA कुल सं#या के कम से कम प□चीस :तशत सीटQ पर झारखंड रा>य के अ4धवासी 7वया4थDयQ के लए आरुक्त करने का ावधान 7वNव7वयालय को करना होगा। सीटQ के आरकण का :नयमन झारखंड सरकार के :नयम और समय-समय पर जारV आदेशQ के वारा Fकया जायेगा।

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

- (5) 7वNव7वयालय को 7वNव7वयालय के शकैतर पदQ के कम से कम पचास :तशत शकैतर पदQ को झारखंड रा>य के अ4धवासी लोगQ के लए आरुक्त करने का ावधान रखना होगा। सीटQ के आरकण का :नयमन झारखंड सरकार के :नयम और समय-समय पर जारV आदेशQ के वारा Fकया जायेगा।

- (6) 7वNव7वयालय को अकादमक इतर को बनाये रखने के लए यथेष्ट/पयाडत संख्या मH शककQ एवं अ4धकानरयQ कA :नयुित करनी होगी और यह सु:निनचत करना होगा Fक उन शककQ या अ4धकानरयQ कA योयता ासंगक :नयामक :नकाय वारा :नधाडनरत मानक से :न.न न हो।
- (7) 7वNव7वयालय को 7वNव7वयालय से जुड़ी तमाम सूचनाएँ 7वया4थDयQ एवं अेय पणधानरयQ के ,हत मH सावDज:नक करनी होगी, जैसे Fक संचालत पायम, अलग-अलग को,ट (ेणी) के तहत सीटH, शुल्क एवं अेय पनरयय, दत सहूलयतH एवं सुख सुवधाएँ, उपलध संकाय/ासयापक वगD एवं अेय ासंगक सूचनाएँ।
- (8) पनर:नयमQ मH व;णDत रV:त के अनुेप 7वNव7वयालय येक अकादमक वषD मH उपा4ध, ाडलोमा दान करने एवं अेय उेNय से दVकांत समारोह आयोजित कर सकेगा।
- (9) 7वNव7वयालय को Iथापना के पाँच वष के भीतर राb^Vय मूयांकन एवं व्यायन पनरष (NAAC) से व्यायन ात करना होगा और भारत सरकार कA अेय :नयामक सांथाएँ, जो 7वNव7वयालय वारा संचालत पायमQ से स.बM हz, के वारा दवत ेड कA सूचना राय सरकार को देनी होगी। 7वNव7वयालय को समय-समय पर ऐसे व्यायन का नवीकरण कराना होगा।
- (10) इतना होते हुए भी इस अ4ध:नयम कA अनुसूची 'A' मH उिल;खत शत और भारत सरकार कA :नयामक सांथाओं के :नयमQ, 7व:नयमQ, मानदडQ आ,द का इन सांथाओं वारा दवत सहूलयतQ तथा सहयोग व कतDयQ के :नबपादन एवं कायD को जारV रखने के लए उन सांथाओं को जैसी आवNयकता होगी, 7वNव7वयालय के लए इनका अनुपालन बासयकारV होगा।

6. व.वव/यालय के उMे.य:-

7वNव7वयालय का उेNय अनुदेशनावमक, शोध तथा सार एवं ऐसी अ4धगम कA शाखाओं के वारा जैसा वो उपयुत समझे, ान तथा कौशलQ को बढ़ाना तथा 7वातार करना होगा और 7वNव7वयालय यह यवन करेगा Fक 7वया4थDयQ तथा शककQ को :न.नल;खत के लए आवNयक माहौल तथा सुवधाएँ उपलध करायी जायH:-

- a) पायम का मुय शका मH पुन:नDमाDण एवं नवाचार, शकण के नवीन तरVके, शकण तथा अ4धगम ऑनलाइन अ4धगम स,हत, सि.म4त अ4धगम, सतत् शका एवं अेय तरVके तथा एकAकृत एवं यितव का ,हतकर 7वकास;
- (b) 7व7वध अनुशासनQ मH असययन;

8

झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

- (c) अंतर अनुशास:नक असययन;
- (d) राb^Vय अखंडता, धमD:नरपेकता एवं सामाजिक समता तथा अेतरराb^Vय मेलमलाप एवं नी:तशा।।

7. व.वव/यालय 8लंग, धम', वग', रंग, पंथ, अथवा मत से परे सबके 8लए खुला होगा:-

Fकसी भी यित को 7वNव7वयालय के Fकसी कायाDलय अथवा उसके Fकसी अेय ा4धकार कA सदायता से अथवा Fकसी डी, ाडलोमा अथवा अेय अकादमक वैशबय

पाठ्यक्रम मह नामांकन से लंग, मत, वगड, जा:त, जेम के 1थान और धामडक 7वNवास अथवा राजनी:तक या अेय मतवाद के आधार पर पकपात या भेदभाव कर वं4चत नहVं Fकया जाएगा।

8. व.वव/यालय के काय' एवं शिQतयाँ:-

- (i) 7वNव7वयालय का शासन एवं बंधन, इसके अंगीभूत महा7वयालयQ का शासन एवं बंधन तथा शोध, शकण, शकण के केेQ का 7वातार एवं सतत् शका, दूराथ अ4धगम एवं ई-ल:नQ के 7वातार एवं पहुँच को इसके झारखड रा>य मह अविाथत पनरसर मह संचालन व बंधन;
- (ii) 7वQान, ौयो4गकA, मान7वकA, समाज 7वQान, शका-शा, बंधन, वा:ण>य, 7व4ध, फामQसी, 1वाभ्य सेवा एवं अेय केiQ मह शोध, उच शका, यावसा:यक शका, शकण- शकण, सतत् शका, दूराथ अ4धगम एवं ई-ल:नQ के संसाधनQ को उपलध कराना;
- (iii) शैjkक ौयो4गकA, शकण एवं अ4धगम Fया मह नवाचारV योग, राb^Vय एवं अेतरराb^Vय सांथाओं के साथ सहयोग एवं वैसी सांथाओं को संयुत कायDQ का ताव देना िजससे शका के 7वतरण एवं अेतरराb^Vय मानकQ को 7वकसत एवं ात करने मह :नरंतरता रहे;
- (iv) शका दान करने मह लचीलेपन के लए :नधाDनरत पाठ्यम, पाठ्यचयाD एवं णालV मह इलेQा:नक एवं दूराथ अ4धगम 7व,हत करना;
- (v) परVका का आयोजन तथा Fकसी ियुत के नाम 7वNव7वयालय वारा तय शत केसाथ उपा4ध, डलोमा या माण-पि और अेय अकादमक 7वशbटता दान करना अथवा 7व:नयमQ मह व:णDत तरVके से उस उपा4ध, डलोमा या माण-पि और अेय अकादमक 7वशbटता या नाम को वापस लेना;
- (vi) फेलोशप (शकावृित), छाivृित, पदक और पुराकार 1था7पत एवं दान करना;
- (vii) पनर:नयम मह व:णDत तरVके के अनुप मानद उपा4ध या अेय 7वशbटता दान करना;
- (viii) उेNयQ कA ित मह आवNयक सहायता के लए 1कूल, केे, सांथान, महा7वयालय कA 1थापना और 7वNव7वयालय के मतानुसार कायDQ तथा पाठ्यमQ का आयोजन;

झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

9

- (ix) 7वNव7वयालय के मतानुसार शका दान करने व योजनQ के ोवसाहन के लए Fकसी महा7वयालय, केे, सांथान को अंगीभूत महा7वयालय घोषत करना या नये अंगीभूत महा7वयालय, केे, सांथान कA 1थापना करना;
- (x) शोध, शकण सामी एवं अेय काय के लए मुण, काशन एवं पुनcvपादन हेतु बंधन एवं दशD:नयQ, स.मेलनQ, कायDशालाओं एवं संगोिठयQ का आयोजन;
- (xi) Qान संसाधन केे कA 1थापना;
- (xii) 7वQान, ौयो4गकA, मान7वकA, समाज 7वQान, शका, बंधन, वा:ण>य, 7व4ध, फामQसी, 1वाभ्य सेवा एवं अेय स.बM केiQ मह अनुसंधान तथा शैjkक कायDQ का ायोजन एवं दा:यव वहन करना;
- (xiii) समान उेNयQ के लए Fकसी शैjkक सांथान के साथ सहयोग व संबMता;
- (xiv) 7वNव7वयालय के उेNयQ कA ित के लए आभासी (वचुDअल) पनरसर समेत पनरसरQ कA 1थापना;

- (xv) पेटेंट कृत के शोध, योजना अ4धकारQ एवं ऐसे समान अ4धकारQ के साथ सॄम
ा4धकारQ से अनुसंधान के संबंध मH पंजीकरण का दा:यव लेना;
- (xvi) 7वNव7वयालय के आंशक अथवा पूणD उ॒ेNयQ कA ाित हेतु दु:नया के Fकसी भी
,हासे के शै॒क एवं अेय सांधानQ, 7वNव7वयालयQ के साथ 7वया4थDयQ,
शोधा4थDयQ, शकQ, कमDचा॒नरयQ के आदान-दान के वारा संबंध अथवा सहयोग
बनाना जैसा वो उ4चत समझे;
- (xvii) अनुसंधान, शकण, परामशD तथा इस कार कA अेय सेवाएँ देना, जो 7वNव7वयालय के
योजन के लए आवNयक हो;
- (xviii) शकQ, शोधा4थDयQ, शासकQ एवं 7व॒ान, ौयो4गकA, मान7वकA, समाज
7व॒ान, शका, बंधन, 7व4ध, वा:ण॒य, फाम॒सी, Iवा॒य सेवा एवं स.बM केi के
7वशेषQ के बीच 7वNव7वयालय के ल॒यQ कA ाित के लए संबंध बनाये रखना;
- (xix) म,हलाओं एवं अेय वं4चत 7वया4थDयQ के लए 7वNव7वयालय वारा यथासंभव
वांछनीय 7वशेष ॒यवाथा करने पर 7वचार;
- (xx) 7वNव7वयालय के ॒यय का :नयमन, 7ववत का बंधन एवं लेखा का रख-रखाव;
- (xxi) 7वNव7वयालय के उ॒ेNय एवं ल॒य ाित के लए हातांतरण वारा :न4ध, चल एवं अचल
स.पिवत, उपाकर, सॉ-टवेर एवं अेय संसाधनQ को ॒यवसाय, उयोग, समाज के अेय वग॒,
राब॒वय एवं अेतरराब॒वय संगठनQ अथवा Fकसी अेय -ोत से उपहार, दान, उपकार या
वसीयत के ॒प मH ात करना;

10

झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

- (xxii) 7वया4थDयQ के लए सभागार, छािावास एवं शकQ तथा कमDचा॒नरयQ के
:नवास के लए आवास का :नमाDण, रख-रखाव एवं ॒यवाथा;
- (xxiii) खेल, सां॒कृतक सह-पा॒यचयाD एवं अ:त॒नरत पा॒यचयाD ग:त7व4थयQ कA
उेन:तके लए केेQ, प॒नरसरQ, सभागारQ, भवनQ, Iटेडयम का :नमाDण, बंधन
तथा रख-रखाव;
- (xxiv) 7वNव7वयालय के :नवासी 7वया4थDयQ, शकQ तथा कमDचा॒नरयQ के लए
अनुशासन बनाये रखने और उनके Iवा॒य, सामाेय क॒याण, सामािजक एवं
सां॒कृतक ग:त7व4थयQ के ोवसाहन, संवMDन हेतु पयDवेकण, :नयंण तथा
:नयमन;
- (xxv) प॒नर:नयम वारा :नधाD॒नरत फAस एवं अेय शु॒क तय करना, मांगना तथा ात करना;
- (xxvi) फैलोशप (शोधवृि॒वत), छाि॒वृि॒वत, पुराकार, पदक एवं अेय पुराकारQ कA Iथापना;
- (xxvii) 7वNव7वयालय आवNयकता या योजन को पूरा करने कA ँि॒ट से Fकसीभूम या
भवन को खरवदने, प॒े पर लेने या उपहारव वसीयत, 7वरासत या अेय तरVके
से कायD हेतु ात कर सकेगा और यह उन :नयमQ व शत॒ के ॒प मH IवीकायD
हो सकता है, िजससे Fकसी भवन को बनाने या कायD करने, उसमH प॒नरवतDन
करने और रख-रखाव हेतु उ4चत हो;
- (xxviii) 7वNव7वयालय के ,हत, ग:त7व4थयQ एवं उ॒ेNयQ कA संग:त कA ँि॒ट से
जो माेय हो, उसके अनु॒प 7वNव7वयालय कA चल या अचल स.पिवत या उसके
Fकसी ,हासे को बेचने, 7व:नमय, प॒ा या अेय तरVके से बंधत करना;

(xxix) :नमाडण और समथडन, कटौती और वाताड, वचनपि नोट, 7वःनयम ँबल, चेक और अेय 7वःनमेय उपाकर आक7षडत और िवीकार करना;

(xxx) 7वNव7वयालय के सभी खच□ को पूरा करने के लए 7वNव7वयालय कA :न4ध को बढ़ाना और बांड पर उधार लेना, बंधक, वचनपि नोट या अेय दाःयवQ या :तभूःतयQ कA िथापना या स.पूणD अथवा 7वNव7वयालय कA Fकसी संपिॄत और पनरस.पिॄत अथवा ँबना Fकसी :तभूःत और माेय :नयमQ और शत□ के अनुॄप करना;

9. सबरता के अवरोधक:-

- (1) 7वNव7वयालय को Fकसी महा7वयालय या सांथा को स.बMता देने का 7वशेषा4धकार नहVं होगा।
- (2) 7वNव7वयालय अनुदान आयोग अथवा सरकार वारा िथा7पत ऐसे अेय :नयामक :नकायQ अथवा केे□ या रा>य सरकार, जैसा भी हो, के वारा पूवD िवीकृःत के पNचात् हV 7वNव7वयालय अपने पनरसर के अलावा कोई दूरवत□ पनरसर, अपतट पनरसर, असययन केे□, परVका केे□ झारखड रा>य के अेदर या बाहर शुॄ कर सकेगा।

झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 11

- (3) दूराथ णालV से पाय□मQ कA शुॄआत केवल 7वNव7वयालय अनुदान आयोग अथवा सरकार वारा िथा7पत ऐसी :नयामक सांथा कA पूवD िवीकृःत के बाद कA जाएगी।

10. आगंतुक (विजटर):-

- (1) झारखड के रा>यपाल 7वNव7वयालय के 7विजटर (आगंतुक) हQगे।
- (2) आगंतुक (7विजटर) जब दVकांत समारोह मH □डी (उपा4ध), □डलोमा, चाटDर, ओहदा (पदनाम) और माण-पि दान करने के लए मौजूद रहHगे तो उसकA असयकता करHगे।
- (3) 7वNव7वयालय अथवा 7वNव7वयालय वारा संपो7षत Fकसी सांथान के शका के ितर, अनुशासन, शबटाचार और समु4चत F□याशीलता को सुःनिचत करने कA ँबिट से आगंतुक को 7वNव7वयालय के ँमण/दौरे का अ4धकार होगा।

व.वव/यालय के अधिकारT

11. व.वव/यालय के 1नन8लUखत अधिकारT हVगे:-

- | | |
|--|----------------------------------|
| (a) कुला4धपःत | b) कुलपःत |
| (c) :त-कुलपःत | (d) :नदेशक/धानाचायD |
| (e) कुलस4चव | (f) मु#य 7वॄत एवं लेखा पदा4धकारV |
| (g) परVका :नयंक | (h) छाि क~याण संकायासयक |
| (i) संकायासयक | (j) कुलानुशासक और |
| (k) 7वNव7वयालय मH अेय ऐसे अ4धकारV जो पनरःनयम वारा घो7षत Fकये जाएंगे। | |

12. कुलाधप1त:-

- (1) कुला4धपःत कA :नयुिॄत वतDक :नकाय वारा पाँच वष□ कA अव4ध के लए आगंतुक (7विजटर) के अनुमोदन के पNचात् :नधाDनरत F□याओं तथा एतसंबंधी :नयमQ एवं

शत□ के अनु० कA जाएगी। कायDकाल पूरा होने के पNचात् कुला4धप:त आगंतुक कA सलाह के बाद वतDक :नकाय वारा पुन:नDयुत Fकये जा सकH गे।

- (2) कुला4धप:त अपने कायाDलय पद के अ4धकार से 7वNव7वयालय के धान हQगे।
- (3) कुला4धप:त शासी :नकाय कA बैठकQ कA असयकता करHगे और जब आगंतुक (7विजटर)मौजूद नहVं रहHगे तब उपा4ध (□डी), □डलोमा या अेय अकादमक 7वशbटता दान करने हेतु दVकांत समारोह कA असयकता करHगे।

12

झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

- (4) कुला4धप:त अपने हाथ से ल;खत व वतDक :नकाय को संबो4धत कर अपने पद से इातीफा दे सकते हz।
- (5) कुला4धप:त को :न.नल;खत अ4धकार हQगे, यथा:-
 - (a) Fकसी भी जानकारV या अभलेख कA माँग करने;
 - b) कुलप:त कA :नयुित;
 - (c) इस अ4ध:नयम के ावधानQ के अनु०प कुलप:त को हटाने और
 - (d) इस अ4ध:नयम या पnर:नयमQ के वारा दvत अेय शिितयाँ।

13. कुलप1त:-

- (1) कुलप:त कA :नयुित कुला4धप:त 7वNव7वयालय अनुदान आयोग वारा :नधाDnरत योयताओं के अनु०प करHगे और ये पाँच साल कA अव4ध के लए अपने पद पर बने रहHगे। बशत□ Fक कुलप:त पाँच वषD कA अव4ध पूरV होने के पNचात् पाँच वषD के एक और कायDकाल के लए पुन:नDयुित के पाि हQगे। शतD यह रहेगी Fक कुलप:त के ०प MH :नयुित □यित 70 वषD कA आयु पूरV करने के बाद अपने पद से, कायDकाल के दौरान या 7वाताnरत कायDकाल से सेवा:नवृत हो जाएगा।
- (2) कुलप:त 7वNव7वयालय के मु#य कायDकारV और अकादमक अ4धकारV हQगे और 7वNव7वयालय के मामलQ MH सामाेय अधीkण और :नयंण का योग करHगे तथा 7वNव7वयालय के 7वभेन ा4धकारQ वारा लए गए फैसलQ पर अमल करHगे।
- (3) आगंतुक (7विजटर) और कुला4धप:त कA गैर मौजूदगी MH 7वNव7वयालय के दVकांत समारोह कA असयकता करHगे।
- (4) कुलप:त य,द यह अनुभव करH Fक Fकसी मामले पर तvकाल कारDवाई आवNयक है, तो वे 7वNव7वयालय के Fकसी ा4धकार काइस अ4ध:नयम के तहत दvत शिितयQ का इातेमाल कर सकते हz और उस ा4धकार को संबM मामले MH कृत कारDवाई कA जानकारV दे सकते हz।

बशत□ Fक 7वNव7वयालय का ा4धकार या 7वNव7वयालय कA सेवा का अेय □यित य,द कुलप:त वारा कृत कारDवाई से □य4धत है तो इस उप धारा के तहत इस :नणDय के संे7षत होने कA :त4ध के एक माह के भीतर कुला4धप:त के समk अपील कर सकता है। कुला4धप:त, कुलप:त वारा कA गयी कारDवाई को संपुbट, संशो4धत या पnरव:तDत कर सकते हz।

- (5) कुलपत ऐसी शिजतयQ का योग करहगे और इस तरह के अय कायD जो 7व,हत फकया जाय।

झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 13

14. कुलपत कC पदXयुत:-

- (1) कुलाधपत को य,द फकसी समय फकसी जाँच के पNचात् आवNयक लगे या तीत हो फक कुलपत:

- (a) इस अ4ध:नयम, पनर:नयम, अSयादेश के तहत दvत कतD□यQ के :नवDहन मH 7वफल रहे हQ; अथवा
(b) 7वNव7वयालय के ,हतQ के 7वपरVत पूवाDह से ेनरत होकर कायD फकये हQ, या
(c) 7वNव7वयालय के मामलQ को सुलझाने मH अकम हQ, तो कुलाधपत इस बात के होते भी फक कुलपत का कायDकाल पूरा नहVं हुआ है, कारण बताते हुए :नधाDनरत :त4थ से पद से इातीफा देने के लए ल;खत आदेश दे सकते हz।
(2) उप धारा (1) के तहत 7वशेष आधार पर कारDवाई के फकसी Iताव कA सूचना ,दए बना कोई आदेश पानरत नहVं फकया जाएगा, Iतावत आदेश के ;खलाफ कारण बताने का एक समु4चत अवसर कुलपत को ,दया जाएगा।

15. 51त-कुलपत:-

- (1) :त-कुलपत कA :नयुित कुलाधपत वारा इस तरVके से कA जायेगी और वह ऐसी शिजतयQ का योग करेगा तथा ऐसे काय□ का :नbपादन करेगा जो 7व,हत फकया जाय।
(2) :त कुलपत उप धारा-1 के तहत :नयुित एक ोफेसर के cप मH अपने कतD□यQ के अलावा अपने कतD□य का :नवDहन करहगे।
(3) :तकुलपत कुलपत को उनकA आवNयकतानुसार उनके कतD□यQ के :नवDहन मH सहायता करहगे।
(4) :तकुलपत वतDक :नकाय वारा :नधाDनरत राश मानदेय के cप मH ात करहगे।

16. 1नदेशक /5धानाचाय' :-

:नदेशकQ/धानाचाय□ कA :नयुित :न,दDbट ढंग से तथा दvत शिजतयQ का योग कर कA जा सकेगी।

17. कुलसचव :-

- (1) कुलस4चव वतDक :नकाय के अSयक वारा पनर:नयम मH :न,दDbट ावधानQ के अनुसार :नयुित फकये जाएंगे। कुलस4चव 7वNव7वयालय अनुदान आयोग वारा :नधाDनरत योयता को धारण करहगे।
(2) कुलस4चव को 7वNव7वयालय कA ओर से अभलेखQ, दातावेजQ को अभमा;णत करने, माण-पिQ पर हाताकर करने तथा समझौता करने कA शिजत होगी तथा वे ऐसी दूसरV शिजतयQ का योग एवं काय□ को पूरा करहगे जो उनके लए :न,दDbट फकया गया हो।

14

झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

- (3) कुलस4चव कायDकारV पनरष एवं अकादमक पनरष के पदेन सदाय स4चव हQगे लेफकनउेहH मत देने का अ4धकार नहVं होगा।

18. मुय वZत तथा लेखा अधिकारT :-

- (1) वतDक :नकाय के अSयक वारा मु#य 7ववत तथा लेखा पदा4धकारV कA :नयुित इस कार कA जाएगी, जैसा पनर:नयम मH :न,दDबट हो।
- (2) मु#य 7ववत एवं लेखा पदा4धकारV ऐसी शितयQ का योग तथा दा:यवQ का :नवDहन कर सकH गे जैसा Fक पनर:नयम मH :न,दDबट है।

19. परVका 1नयंक:-

- (1) परVका :नयंक 7वNव7वयालय का पूणDकालक पदा4धकारV होगा तथा पनर:नयम के अनुप कुला4धप:त वारा :नयुित Fकया जाएगा।
- (2) परVका :नयंक के दा:यव हQगे:-
- (a) परVका को अनुशासत एवं कुशल तरVके से संचालत करना;
- (b) स#त गोपनीयता कA ँबिट से Nन-पिQ के चयन कA यवाथा करना; (c) :नधाDनरत समय-सानरणी के अेतगDत उत्तर पुितकाओं के मू-यांकन कA यवाथा करना;
- (d) परVका-णालV कA :नबपकता और 7वषय:नठता को उेत बनाने तथा 7वया4थDयQ कA योयता के सहV आकलन कA ँबिट से बेहतर साधन अपनाने के लिए सतत् समीका करना;
- (e) कुलप:त के वारा समय-समय पर सपे गए उन सारे दा:यवQ का :नवDहन करना जो परVका से संबंधत हQ।

20. अय अधिकारT:-

छाि क-याण संकायाSयक, संकायाSयक और मु#य कुलानुशासक सह 7वNव7वयालय के अेय अ4धकाInरयQ के दा:यव, शितयQ और :नयुित का तरVका वैसा होगा, जैसा :न,दDबट Fकया गया हो।

21. व.वव/यालय के 5ाधकार:-

7वNव7वयालय के :न.नल;खत ा4धकार हQगे, यथा-

- (a) शासी :नकाय
- (b) बंधन बोडD
- (c) अकादमक पनरष
- (d) 7ववत सम:त
- (e) योजना बोडD
- (f) वैसे अेय सभी ा4धकार, जो पनर:नयम के वारा 7वNव7वयालय के ा4धकार घो7षत Fकये गये हQ।

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 15

22. शासी 1नकाय

- (1) शासी :नकाय के :न.नल;खत सदाय हQगे, यथा-
- (a) कुला4धप:त;
- (b) कुलप:त;
- (c) सरकार के स4चव, उच एवं तकनीकA शका 7वभाग, झारखंड अथवा उनका :त:न4ध;
- (d) वतDक :नकाय वारा नामत पाँच यित, िजनमH से दो #यात शका7व हQगे;

(e) कुलाधपः त वारा नामत 7वNव7वयालय के बाहर से एक ियित, जो बंधन और ौयो4गकA के 7वशेष के ंप मH हQगे।

(f) कुलाधपः त वारा नामत एक 7ववत 7वशेष।

2) शासी :नकाय 7वNव7वयालय का सवX च ा4धकार एवं मुय शासी :नकाय होगा। इसकA :न.नल;खत शितयौ हQगी, यथा:-

(a) :नयम, पनरःनयम, अ4धःनयम 7वःनयम अथवा अSयादेश का योग करते हुए 7वNव7वयालय के काय को :नयित, नदशत एवं संचालत करना;

(b) 7वNव7वयालय के अय :नणDयQ कA समीका करना य,द वे अ4धःनयमQ, पनरःनयमQ, अSयादेश, 7वःनयम या :नयमावलV के ावधानQ के अनुप नहVं हो;

(c) 7वNव7वयालय के वा7षDक :तवेदन तथा बजट को अनुमो,दत करना;

(d) 7वNव7वयालय वारा अनुपालन हेतु 7वातृत नीःतयQ का :नमाDण;

(e) 7वNव7वयालय के 7वघटन के लिए वतDक :नकाय को अनुशंसा करना, य,द संपूणD यास के बाद भी 7वNव7वयालय ठक ढंग से कायD संपेन करने कA िथःत मH नहVं हो;

(f) पनरःनयमQ वारा :न,दDbट अय शितयQ का योग करना।

(3) शासी :नकाय कA बैठक एक कैलHडर वषD मH कम-से-कम तीन बार होगी।

(4) बैठक का कोरम चार होगा:-

बशत उ च एवं तकनीकA शका 7वभाग, झारखंड सरकार के स4चव या उनकA अनुपिथःत मH :नदेशक, उ च शका वयेक बैठक मH उपिथत हQ, िजसमH सरकारV नीःतयQ या :नदशQ से संबं4धत :नणDय लये जाने हQ।

23. 5बंधन बोड' :-

(1)

बंधन बोडD :न.नल;खत सदायQ के योग से ग,ठत होगा, यथा-

(a) कुलपःत;

(b) सरकार के स4चव, उ च एवं तकनीकA शका 7वभाग, झारखंड अथवा उनके नामःत;

(c) वतDक :नकाय वारा नामत शासी :नकाय के दो सदाय;

(d) वतDक :नकाय वारा नामत तीन सदाय, जो शासी :नकाय के सदाय नहVं हz;

(e) शकQ के बीच से वतDक :नकाय वारा नामत तीन सदाय;

(f) कुलपःत वारा नामत दो शक।

16

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

(2) बंधन बोडD के अSयक कुलपःत हQगे।

(3) बंधन बोडD कA शितयौ एवं कायD पनरःनयम मH जैसा :न,दDbट है, के अनुप होगा। (4) बंधन बोडD कA बैठक का कोरम पाँच होगा;

बशत Fक सरकार के स4चव, उ च एवं तकनीकA शका 7वभाग, झारखंड सरकार अथवा उनकA अनुपिथःत मH :नदेशक, उ च शका वयेक बैठक मH उपिथत हQ; िजसमH सरकार कA नीःतयQ/:नदशQ से संबं4धत :नणDय लये जाने हQ।

24. अकादमक प?रष:-

(1) अकादमक पनरष कुलपःत तथा वैसे सदायQ के योग से बनेगा, जैसा पनरःनयम मH :न,दDbट है।

(2) अकादमक पनरष के अSयक कुलपःत हQगे।

- (3) आकादमक पनरष 7वNव7वयालय कA मु#य अकादमक :नकाय होगी, जैसा Fक अ4ध:नयम, पनर:नयमQ, अSयादेशQ मH ावधान है और यह 7वNव7वयालय कA अकादमक नी:तयQ का संयोजन तथा पयDवेकण करेगी।
- (4) अकादमक पनरष कA बैठक का कोरम पनर:नयम के :नद□शQ के अनुcप होगा।

25. वZत स8म1त:-

- (1) 7वvत सम:त 7वNव7वयालय कA मु#य 7वvतीय :नकाय होगी, जो 7वvत संबंधी मामलQ कA देख-रेख करेगी।
- (2) 7वvत सम:त का सं7वधान, शिJतयाँ और कायD के अनुcप हQगे, जैसा Fक 7व,हत Fकया जाय ।

26. योजना बोड':-

- (1) योजना बोडD 7वNव7वयालय का धान योजना :नकाय होगा और यह सु:निNचत करेगा Fक बु:नयादV ढाँचा और अकादमक समथDन णालV 7वNव7वयालय अनुदान आयोग तथा अेय पनरषदQ वारा :नधाDनरत मानदंडQ को पूरा करती है।
- (2) योजना बोडD का सं7वधान, उसके सदायQ का कायDकाल तथा उनकA शिJतयQ एवं काय□ का :नधाDरण वैसा होगा जैसा Fक 7व,हत Fकया जाय।

27.

अ\य 5ाधकार:- 7वNव7वयालय के अेय ा4धकारQ का गठन, शिJतयाँ तथा कायD वैसा होगा जैसा Fक 7व,हत Fकया जाय।

28. Jकसी 5ाधकार अथवा 1नकाय कC सद6यता के 8लए अयो^यता:-

कोई □यिJत 7वNव7वयालय के Fकसी ा4धकार या :नकाय कA सदायता के यो□य नहVं होगा, य,द वह:

- (a) य,द वह आवाथ मानस का है और उसे सकम eयायालय वारा ऐसा घो7षत Fकया गया है;
- (b) य,द अमुJत ,दवालया है;
- (c) य,द नै:तक Iखलन का अपराधी पाया गया है;
- (d) Fकसी परVका के संचालन मH अनु4चत □यवहार करने अथवा ोvसा,हत करने के लए कहVं भी, Fकसी cप मH दं□डत Fकया गया है।

झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 17

29. ?रिQतयाँ व.वव/यालय के 5ाधकार अथवा 1नकाय के गठन या काय'वाहT को अमा\य नहTं कर'गी:-

7वNव7वयालय के Fकसी ा4धकार कA कायDवाहV सफD इसलिए अमाेय नहVं कA जायेगी Fक 7वNव7वयालय के Fकसी ा4धकार या संगठन कA नरिJत अथवा सं7वधान मH कोई दोष है।

30. स8म1तयV का गठन:-

7वNव7वयालय के ा4धकार ऐसी शत□ के साथ जो 7वशेष काम के लए आवNयक हQ तथा जो पनर:नयमQ वारा अनुमो,दत हQ, ऐसी सम:तयQ का गठन कर सकH गे।

प?र1नयम, अJयादेश और व1नयम

31. 5थम प?र1नयम:-

- (1) इस अ4ध:नयम के ावधानQ तथा इसके अंतगDत बनाये गए :नयमQ के अनुकूल पहला पनर:नयम :न.नल;खत मामलQ मH से सभी या Fकसी एक का :नधाDरण करेगा, यथा-
- (a)

7वNव7वयालय के ा4धकारQ और अेय :नकायQ के लए समय-समय पर गठन,

शिJतयQ और काय□ का :नधाDरण;

(b) कुल4धप:त, कुलप:त कA :नयुिJत कA शत□ और उनकA शिJतयQ तथा
अ4धकारQ का :नधाDरण;

(c) कुलस4धचव और मु#य 7ववत तथा लेखा पदा4धकारV कA :नयुिJत कA F□या
और शत□ तथा उनकA शिJतयQ और कायD का :नधाDरण;

(d) अेय अ4धकाnरयQ तथा शककQ कA :नयुिJत कA पM:त और शत□ तथा
शिJतयQ और कायD का :नधाDरण;

(e) 7वNव7वयालय के कमDचाnरयQ कA सेवा-शत□ का :नधाDरण;

(f) कमDचाnरयQ अथवा 7वया4धDयQ और 7वNव7वयालय के बीच Fकसी कार के
7ववाद कA िथ:त मH मSयाथता कA F□या का :नधाDरण;

(g) मानद उपा4धयाँ दान करना;

(h) 7वया4धDयQ के शकण शु~क कA अदायगी मH छूट और छाivृित तथा
फेलोशप दान करने कA F□या का :नधाDरण;

(i) सीटQ के आरकण के :नयम स,हत वेश कA नी:त का :नधाDरण; तथा

(j)

7वया4धDयQ से लया जाने वाला शु~क।
:नकाय वारा बनाया जाएगा और िवीकृत
जाएगा।

(2) 7वNव7वयालय का पहला पnर:नयम शासी
हेतु रा>य सरकार को सम7पDत Fकया

(3) 7वNव7वयालय वारा सम7पDत Fकए गए पहले पnर:नयम पर रा>य सरकार 7वचार
करेगी और यथासंभव इसकA िित के साथ ,दनQ के भीतर इसकA िवीकृत,
संशोधनQ अथवा बना संशोधन के जैसा वह आवNयक समझे, देगी।

(4) रा>य सरकार वारा िवीकृत पहले पnर:नयमQ पर 7वNव7वयालय अपनी सहम:त
सि7षत करेगा, अथवा रा>य सरकार वारा उप धारा-3 के अंतगDत Fकये गये Fकसी
संशोधन या सभी संशोधनQ को नहVं लागू करने पर कारण बतायेगा। रा>य सरकार
7वNव7वयालय के सुझावQ को माेय या अमाेय कर सकती है।

18

झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

(5) रा>य सरकार ने पहले पnर:नयम को िजस cप मH अंततः िवीकार Fकया है उसे
शासकAय राजपi मH काशत करेगी और यह काशन कA :त4थ से लागू माना

जाएगा। 32. **परवतa प?र1नयम:-**

(1) इस अ4ध:नयम और इसके बाद बनाये गये :नयमQ, 7वNव7वयालय के परवत□
पnर:नयमQ मH :न.नल;खत सभी या Fकसी एक के बारे मH □यवाथा दे सकता है, यथा-

(a) 7वNव7वयालय के नये ा4धकारQ का सृजन;

(b) लेखा नी:त और 7ववतीय F□या;

(c) 7वNव7वयालयQ के 4धकारQ मH शककQ का :त:न4धव;

(d) नए 7वभागQ का :नमाDण और वतDमान 7वभागQ का उेमूलन अथवा

पुनगDठन; (e) पदकQ और पुराकारQ का :नधाDरण;

(f) पदQ के :नमाDण और 7वलोपन कA F□या;

(g) शु~कQ का पुनरVकण;

(h) 7वभेन 7वषयQ मH सीटQ कA सं#या मH बदलाव तथा

- (i) अ॒य स॒भी मा॒मल॒Q का प॒नरःन॒यम वारा :न॒धाDरण, जो इस अ॒धःन॒यम म॒ह
वःण॒Dत ाव॒धान के अ॒ंतग॒Dत आव॒नय॒क ह॒Q ।
- (2) प॒हले प॒नरःन॒यम से इ॒तर 7व॒Nव7व॒यालय के प॒नरःन॒यमQ का :न॒माDण शासी
:न॒काय क॒A सह॒मःत से ब॒ंधन बोड॒D वारा Fक॒या जा॒एगा।
- (3) उ॒प धारा (2) के अ॒ंतग॒Dत :न॒मDत प॒नरःन॒यम को रा॒य सर॒कार के स॒म॒क इ॒तु
Fक॒या जा॒एगा, िज॒से वह िवी॒कृत करेगी अथ॒वा य,द आव॒नय॒क स॒मझे तो कुछ संशो॒धन के
ल॒ए प॒राम॒शD, प॒नरःन॒यम क॒A ि॒त क॒A :त॒ध से यथासं॒भव दो म॒हVने के भी॒तर देगी।
- (4) रा॒य सर॒कार वारा सु॒झाये गये संशो॒धनQ पर शासी :न॒काय 7व॒चार करेगा और
प॒नरःन॒यमQ म॒ह Fक॒ये गये प॒नरव॒तDन के :त सह॒मःत अथ॒वा रा॒य सर॒कार वारा सु॒झाये
संशो॒धनQ पर ,ट॒पणी के साथ उसे वा॒पस कर देगा।
- (5) रा॒य सर॒कार शासी :न॒काय वारा क॒A गयी ,ट॒पःण॒यQ पर 7व॒चार करेगी तथा
प॒नरःन॒यमQ को ँब॒ना संशो॒धन अथ॒वा संशो॒धनQ के साथ िवी॒कृत करेगी और इसे
शास॒कAय राज॒पि म॒ह का॒शत करा॒येगी जो का॒शन क॒A :त॒ध से भावी होगा। 33.

5थम अ॒यादेश:-

- (1) इस अ॒धःन॒यम के ाव॒धानQ के अधीन :न॒मDत :न॒यमQ, प॒नरःन॒यमQ के त॒हत,
थ॒म अ॒यादेश स॒भी मा॒मले या :न॒नल;ख॒त म॒ह से कोई एक अथ॒वा स॒भी क॒A ँय॒वाथा
कर सकता है, यथा-
- (a) 7व॒Nव7व॒यालय म॒ह 7व॒या॒ध॒यQ का वेश और इस ८प म॒ह ना॒मांकन;
- (b) 7व॒Nव7व॒यालय क॒A ँडी, ँड॒लोमा एवं मा॒ण पि के ल॒ए अ॒स॒य॒यन हेतु
पाठ॒य॒म का :न॒धाDरण;
- (c) ँडी, ँड॒पलो॒मा, मा॒ण पि और अ॒य अ॒काद॒मक वैश॒ब॒य दान करने हेतु
॒यून॒तम यो॒यता;
- (d) फेलो॒शप, छा॒ि॒वृ॒ि॒त,व॒जी॒फा, प॒दक और पुरा॒कार हेतु श॒त³;
झारख॒डग॒जट(असा॒धारण)गु*वा॒र,6,द॒स.ब॒र,2018 19
- (e) का॒याDलय के :न॒यमQ और प॒रV॒कण :न॒काय, प॒रV॒ककQ तथा म॒स॒या॒थQ क॒A
:न॒यु॒ित के तर॒Vके स॒हत प॒रV॒काओं का संचालन;
- (f) 7व॒भ॒ेन पाठ॒य॒मQ क॒A प॒रV॒काओं, उ॒पा॒ध॒यQ और ँड॒लोमा के ल॒ए
7व॒Nव7व॒यालय वारा ल॒या जा॒ने वा॒ला शु॒क;
- (g) 7व॒Nव7व॒यालय के 7व॒या॒ध॒यQ के :न॒वास क॒A श॒त³;
- (h) 7व॒या॒ध॒यQ के 7व॒॒म अनुशा॒सना॒मक कार॒Dवाँ संबंधी ाव॒धान;
- (i) 7व॒Nव7व॒यालय के अ॒काद॒मक जी॒वन क॒A उ॒॒नःत के ल॒ए आव॒नय॒कता अनु॒भव
Fक॒ये जा॒ने पर Fक॒सी :न॒काय के सृ॒जन, संयोजन और का॒यD पर 7व॒चार;
- (j) उ॒॒च श॒का के अ॒य 7व॒Nव7व॒यालयQ एवं सा॒ंथा॒नQ के साथ स॒हका॒रता और
स॒ह॒यो॒ग के तर॒Vके;
- (k) ऐसे अ॒य मा॒मले िज॒नक॒A ँय॒वाथा अ॒यादेश के वारा इस अ॒धःन॒यम के
अ॒॒ंतग॒Dत आव॒नय॒क है;
- (2) 7व॒Nव7व॒यालय का थ॒म अ॒यादेश ब॒ंधन बोड॒D वारा अनु॒मो॒दन के बा॒द कु॒ला॒ध॒पःत
वारा ब॒नाया जा॒एगा, िज॒से अनु॒मो॒दन हेतु रा॒य सर॒कार को इ॒तु Fक॒या जा॒एगा। (3)
उ॒प धारा (2) के त॒हत रा॒य सर॒कार कु॒ला॒ध॒पःत वारा स॒पे गये अ॒यादेश पर 7व॒चार
करेगी और जहाँ तक सं॒भव हो॒गा इस॒क॒A ा॒ि॒त के सा॒ठ ,द॒नQ के भी॒तर वह इसे िवी॒कृत
करेगी या इस॒म॒ह संशो॒धन हेतु सु॒झाव भी देगी।
- (4) कु॒ला॒ध॒पःत अ॒यादेश के सं॒द॒भD म॒ह ,द॒ये गये संशो॒धन के सु॒झावQ को शा॒मल कर॒मगे

अथवा रा>य सरकार वारा ,दये गये सुझावQ को शामिल नहVं करने के कारण बताते हुए थम अSयादेश को वापस भेजHगे, य,द कुछ हो । रा>य सरकार इसकA ाित के बाद कुलाधप:त कA ,ट\पणी पर 7वचार करेगी और संशोधन के साथ या बना Fकसी संशोधन के 7वNव7वयालय के थम अSयादेश को रा>य सरकार शासकAय राजपi मH काशत करेगी, और यह काशन कA :त4थ से भावी होगा।

34. परवता अJयादेश:-

- (1) थम अSयादेशQ के अलावा अेय सभी अSयादेश अकादमक पनरषद वारा बनाये जाएँगे जो शासी :नकाय वारा अनुमो,दत Fकये जाने के बाद रा>य सरकार के समk अनुमोदन हेतु तुत Fकये जाएँगे।
- (2) उपधारा (1) के तहत अकादमक पनरष वारा स±पे गये अSयादेश पर जहाँ तक संभव हो रा>य सरकार इसकA ाित के दो माह के भीतर 7वचार करेगी और इसे Iवीकृत कर सकती है या इसमH संशोधन हेतु सुझाव दे सकेगी।
- (3) अकादमक पनरष या तो रा>य सरकार के सुझावQ के अनुcप अSयादेशQ को संशो4धत करेगी या सुझावQ को रा>य सरकार को पुनः उसे वापस स±पेगी, य,द कोई हो। रा>य सरकार अकादमक पनरष कA ,ट\पणी पर 7वचार करेगी और अSयादेशQ को संशोधन के साथ या बना संशोधन के शासकAय राजपi मH काशत करेगी, और यह काशन कA :त4थ से भावी हो जाएगा।

20

झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

35. वनयम:-

ऐसे vयेक ा4धकार और ऐसे ा4धकार वारा बनायी गयी सम:तयQ के लिए शासी :नकाय कA पूवD Iवीकृत से 7वNव7वयालय के ा4धकारV इस अ4ध:नयम के अनुकूल :नयम, पनर:नयमQ और अSयादेशQ के संगत 7व:नयम बना सकH गे।

36. नदश देने के राcय सरकार के अधिकार:-

- (1) शकण के Iतर, परVका और शोध तथा 7वNव7वयालय से संबंM Fकसी अेय मामले मH रा>य सरकार ऐसे लोगQ, िजेहH वह उपयुत समझती है, के वारा मू-यांकन करा सकेगी।
- (2) ऐसे मू-यांकन के आधार पर सुधार के लिए रा>य सरकार अपनी अनुशंसाएँ 7वNव7वयालय को संे7षत करेगी। 7वNव7वयालय ऐसे सुधारावमक उपाय और यvन करेगा ताFक इन अनुशंसाओं का अनुपालन सु:निNचत Fकया जा सके।
- (3) य,द 7वNव7वयालय उपधारा (2) के अंतगDत रा>य सरकार वारा कA गयी अनुशंसा का पालन करने मH उ4चत समयाव4ध मH 7वफल रहता है तो रा>य सरकार उसे ऐसा :नदश दे सकेगी जैसा वह उपयुत समझे। रा>य सरकार वारा ,दये गये :नदशQ का अनुपालन 7वNव7वयालय अ7वलंब करेगा।

व.वव/यालय कC नधयाँ

37. 6थायी 1नध:-

- (1) उद्देNय-पi मH :न,दDबट राश के साथ वतDक :नकाय 7वNव7वयालय के लिए एक Iथायी कोष कA Iथापना करेगा।
- (2) 7वNव7वयालय के इस अ4ध:नयम का अनुपालन तथा अ4ध:नयम, पnर:नयम तथा अSयादेशQ के अनुसार संचालन को सु:निNचत करने हेतु Iथायी :न4ध का उपयोग जमानत जमा राश के cप मH होगा। य,द 7वNव7वयालय अथवा वतDक :नकाय इन अ4ध:नयम, पnर:नयमQ और अSयादेशQ के अनुकूल ावधानQ का अनुपालन नहVं करता है तब रा>य सरकार को यह पूरV राश अथवा इसका एक ,हासा/अंश ज□त कर लेने का अ4धकार होगा।
- (3) 7वNव7वयालय इस Iथायी कोष से हुई आमदनी का उपयोग 7वNव7वयालय के आधारभूत ढाँचे के 7वकास के लिए कर सकेगा, 7वNव7वयालय के ,दनानु,दन □यय के लिए नहVं।
- (4) 7वNव7वयालय के 7वघटन तक Iथायी कोष कA राश ऐसे साधनQ मH :नवेशत कA जाएगी जैसा सरकार वारा :नवेश हेतु :नद□शत Fकया जाएगा।
- (5) दVघाDव4ध कA :तभू:त कA िथ:त मH, :तभू:तयQ का माण-पi सरकार के सुरj्कत संरक्षण मH रखा जाएगा और □यिजतगत जमा खातQ के □याज को सरकारV खजाने मH जमा Fकया जाएगा। शvतD यह है Fक सरकार के आदेश के ँबना यह राश :नकालV नहVं जा सकेगी।

38. सामा\य 1नध:-

- (1) 7वNव7वयालय एक कोष कA Iथापना करेगा, िजसे सामाeय कोष कहा जाएगा, िजसमH :न.नांFकत राशयाँ जमा हQगी:
झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 21
- (a) 7वNव7वयालय वारा ात शकण एवं अेय शु~क;
- (b) वतDक :नकाय वारा दvत कोई भी राश;
- (c) अपने ल«य-स7M के □म मH 7वNव7वयालय के Fकसी भी उप□म, यथा-परामशD आ,द से ात कोई भी राश;
- (d) eयासQ, वसीयतQ, दान, वृिवतदान और Fकसी भी अेय कार का अनुदानतथा (e) 7वNव7वयालय वारा ात अेय सारV धनराश।
- 2) सामाeय कोष का उपयोग :न.नल;खत मदQ मH Fकया जाएगा, यथा -
- (a) इस अ4ध:नयम और पnर:नयमQ, अSयादेशQ और शासी :नकाय कA पूवD Iवीकृ:त के साथ 7वNव7वयालय वारा लये गये ऋण तथा उसके □याज के भुगतान हेतु;
- (b) 7वNव7वयालय कA पnरसंप:तयQ के रख-रखाव हेतु;
- (c) धारा 37 एवं 38 के अंतगDत 7व:नमDत :न4धयQ के लेखा-परVकण के लिए भुगतान Fकया गया शु~क;
- (d) 7वNव7वयालय के पk अथवा 7वपk मH दायर वादQ पर हुए खचD के :नbपादन हेतु ;
- (e) अ4धकाnरयQ, कमDचाnरयQ, शककQ एवं शोध-अ4धकाnरयQ के वेतन, भvते, भ7वbय- :न4ध अंशदान, ै□यूटV और अेय सु7वधाओं के भुगतान हेतु;
- (f) शासी :नकाय, कायDकारV पnरषद, अकादमक पnरषद और अेय ा4धकारQ तथा

वतDक :नकाय के अSयक अथवा Fकसी सॄकम अ4धकारV वारा Fकये गये यािा- □यय एवं अेय भवतQ के भुगतान हेतु;

(g) फेलोशप, :नःशु~क शकण, छािॄवितयQ, असाटHTशप तथा समाज के कमजोर आ4थDक वगD के छािQ को ,दये गये पुराकारQ और शोध सहायकQ, शकुओं अथवा जैसी िथःत हो अ4धःनयमQ, पनरःनयमQ और :नयमQ के अनुकूल Fकसी भी अहDता ात 7वयाथ□ के भुगतान हेतु;

(h) अ4धःनयम के ावधानQ, पनरःनयमQ, अSयादेशQ, 7वःनयमQ के अनुपालन मH 7वNव7वयालय वारा □यय कA गयी Fकसी भी राश के भुगतान हेतु;

(i) वतDक :नकाय वारा 7वNव7वयालय कA Iथापना और इस संदभD मH Fकये गये :नवेशQ कA मूल लागत, जो समय-समय पर भारतीय IटेT बॄक के ऋण दान कA दर से अ4धक नहVं हो, के भुगतान के लए।

(j) इस अ4धःनयम के पनरःनयमQ, :नयमQ, अSयादेशQ के पालन मH 7वNव7वयालय वारा Fकये गये □यय के भुगतान हेतु;

(k)

Fकसी संIथान वारा 7वशेष सेवा देने के दाःयव, 7वNव7वयालय को बंधन- सेवा स,हत शासी :नकाय वारा 7वNव7वयालय के लए Iवीकृत ऐसे □ययQ अथवा संबंM अेय काय□ के भुगतान हेतु;

बशत□ Fक कुल आवत□ □यय और उस वषD के लए :नधाDनरत अनावत□ □यय जैसा शासी :नकाय वारा :निNचत Fकया गया है, से अ4धक □यय ँबना शासी :नकाय कA पूवD Iवीकृत के नहVं Fकया जा सकेगा।

22

झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

लेखा, अंके;ण एवं वाष'क 51तवेदन

39. वाष'क 51तवेदन:-

7वNव7वयालय का वा7षDक :तवेदन 7वNव7वयालय वारा तैयार Fकया जाएगा िजसमH अेय मामलQ समेत, 7वNव7वयालय वारा उ□ेNयQ कA पूःतD के लए उठाये गये कदम शामिल हQगे और इसे रा>य सरकार को स±पा जाएगा।

40. अंके;ण एवं वाष'क 51तवेदन:-

- (1) 7वNव7वयालय का वा7षDक लेखा बॄलेस शीट स,हत 7वNव7वयालय वारा तैयार Fकया जाएगा और वा7षDक लेखा का अंके;ण वषD मH कम से कम एक बार 7वNव7वयालय वारा इस उ□ेNय से :नयुत अंके;कQ वारा कराया जाएगा।
- (2) वा7षDक लेखा कA एक :त अंके;ण :तवेदन के साथ रा>य सरकार को Iतुत करनी होगी।

व.वव/यालय को समेटना

41. व.वव/यालय का समापन:-

- (1) य,द वतDक :नकाय 7व4ध स.मतढंग से इसके गठन तथा :नगमीकरण के ावधानQ के अेतगDत Iवयं को भंग करना चाहे तो इसकA सूचना कम से कम छह महVने पहले रा>य सरकार को देनी होगी।
- (2) रा>य सरकार ऐसी सूचना (भंग करने संबंधी) ात करने के पNचात्, जैसी आवNयकता होगी उसके अनु*प भंग Fकये जाने कA :त4थ से 7वNव7वयालय के शासन कA □यवाथा वतDक :नकाय के 7वघटन के बाद आ;खरVसि के 7वया4थDयQ, जो

7वNव7वयालय मH नामांFकत हz, के पायम पूरा होने तक करेगी और सरकार वतDक :नकाय के Iथान पर 7वNव7वयालय के संचालन के लिए एक शासक कA :नयुित कर सकेगी, िजसे वतDक :नकाय के अ4धकार, कतDय और कायD स±पे जाएँगे, जैसा इस अ4ध:नयम मH व;णDत है।

42. व.वव/यालय का वघटन:-

(a) वतDक :नकाय य,द 7वNव7वयालय को भंग करने कA इछा रखता है, तो उसे राय सरकार को एत-संबंधी सूचना :नधाDनरत तरVके से देनी होगी। राय सरकार वारा यथो4चत 7वचार के पNचात् :नधाDनरत तरVके से 7वNव7वयालय को 7वघ,टत Fकया जा सकेगा।

बशवत Fक 7वNव7वयालय का 7वघटन तभी भावी होगा जब तक Fक :नयमत पायम के 7वया4थDयQ का आ;खरV स; अपना पायम पूरा नहVं कर लेता है और उन सबको डी (उपा4ध), डलोमा अथवा िजस तरह के 7वषय हQ, ात हो जाएँ। (b) जैसा Fक तरVका :नधाDनरत है 7वNव7वयालय का 7वघटन होने पर उसकA सभी संप:तयाँ और देनदाऱयाँ वतDक :नकाय मH :न,हत हQगी।

(c) उप-धारा (1) के तहत राय सरकार य,द 7वNव7वयालय को 7वघ,टत करने का :नणDय लेती है, तो 7व,हत तरVके से समान उेNय वालV सोसाइ,टयQ मH 7वNव7वयालय के 7वघटन तक उप-धारा (1) के ावधानQ के तहत इसके शासी :नकाय कA शिJतयाँ :न,हत कर सकेगी।

झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 23

43. वशेष प?रि6थ1तयV म राय सरकार कC व8श%ट शिQतयाँ:-

- (1) राय सरकार कA य,द यह राय है Fक 7वNव7वयालय ने अ4ध:नयमQ, :नयमQ, पनर:नयमQ अथवा अSयादेशQ मH से Fकसी का उलंघन Fकया है और 7ववतीय कुबंधन अथवा कु-शासन कA िथ:त 7वNव7वयालय मH उवपेन हो गयी है, तो वह 7वNव7वयालय को कारण बताओ सूचना जारV कर पzतालVस ,दनQ के भीतर इस आशय का उवतर मांगेगी Fक JयQ नहVं एक शासक कA :नयुित कर दV जाय।
- (2) 7वNव7वयालय वारा उपधारा (1) के अंतगDत दV गयी सूचना पर ,दये गये उवतर से य,द राय सरकार संतुबट है Fक इस अ4ध:नयम, :नयमQ, पनर:नयमQ और अSयादेशQ के Fकसी भी ावधान का थम ढbटया उलंघन हुआ है अथवा इस अ4ध:नयम वारा ,दये गये :नदशQ के :तकूल 7ववतीय कुबंधन अथवा कु-शासन है तो वह ऐसी जाँच करायेगी, िजसे वह आवNयक समझे।
- (3) उप-धारा (2) के तहत राय सरकार ऐसी Fकसी जाँच के उेNय से जाँच-अ4धकारV या अ4धकाऱयQ को :नयुित करेगी, जो Fकसी भी आरोप पर अपना :तवेदन Iतुत करHगे।
- (4) उप-धारा (3) के अंतगDत :नयुित जाँच अ4धकारV या अ4धकाऱयQ के पास वहV शिJतयाँ हQगी जो दVवानी अदालत वारा दVवानी वाद के मामलQ कA सुनवाई के दौरान दVवानी Fया, सं,हता, 1908 मH दवत हz, यथा-

(a) Fकसी यित को बुलाने और उसकA हािजरV को अ:नवायD करने और शपथ ,दलाकर उनकA जाँच करना;

(b) माण के लिए आवNयक खोज और ऐसे दातावेज या दूसरV अय सामी Iतुत करने का :नदश देना;

(c) Fकसी भी अदालत या कायाDलय से कोई दातावेज मंगाना।

(5) उप-धारा (3) के अंतगDत :नयुित अ4धकारV या अ4धकाऱयQ कA जाँच नरपोटD ात होने

के बाद य,द रा>य सरकार संतुष्ट है Fक 7वNव7वयालय ने इस अ4ध:नयम के ावधान के सभी अथवा Fकसी ावधान का उलंघन Fकया है, :नयमQ, पnर:नयमQ अथवा अSयादेशQ का उलंघन Fकया है अथवा सरकार वारा दvत :नद□शQ का उलंघन Fकया

है या 7वvतीय कु-बंधन और कुशासन कA िथ:त 7वNव7वयालय मH ऐसी हो गयी है Fक उसके अकादमक Iतर पर Nन-4चμन खड़ा हो गया हो, तो सरकार एक शासक :नयुत कर सकती है।

- (6) उप-धारा (5) के अंतगDत :नयुत शासक इस अ4ध:नयम के तहत बनाये गये शासी :नकाय अथवा बंधन बोडD के सारे कतD□यQ का :नवDहन करेगा और तब तक 7वNव7वयालय कA ग:त7व4धयQ का संचालन करेगा जब तक :नयमत पाय□म के 7वया4थDयQ का आ;खरV स; अपना पाय□म पूरा नहVं कर लेता और उeहH □ड4याँ या □डलोमा न दे दV जायँ।
- (7) आ;खरV स; को □ड4याँ या □डलोमा या जैसी िथ:त हो, के दान के बाद शासक इस आशय कA nरपोटD रा>य सरकार को देगा।

24

झारखडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

- (8) उप-धारा (7) के अंतगDत nरपोटD ात होने पर रा>य सरकार 7वNव7वयालय को 7वघटत कर देगी और 7वNव7वयालय के 7वघटन के बाद इसकA सारV पnरसंपिvतयाँ और देनदानरयाँ वतDक :नकाय मH :न,हत हो जाएंगी।

अयाय

44. 1नयम बनाने के 8लए राcय सरकार कC शिQत:-

- (1) इस अ4ध:नयम के उ□ेNयQ के :नवDहन के लए शासकAय राजप; मH अ4धसूचना जारV करके रा>य सरकार :नयम बनाएगी।
- (2) रा>य 7वधानमंडल के समk इस धारा के अंतगDत बनाये गये सारे :नयमQ को कम से कम 30 ,दनQ के लए रखा जाएगा और रा>य 7वधानमंडल को यह अ4धकार होगा Fक वह इसका :नरसन कर दे अथवा अपेज्कत पnरवतDन कर दे अथवा ऐसे पnरवतDन िजसे 7वधानमंडल के उसी स; मH या उसके ठक बाद वाले स; मH Fकया गया हो।

45. व/याथ'यV के पाeयम का समापन:-

इस अ4ध:नयम अथवा पnर:नयम मH Fकसी बात के होते हुए भी अंगीभूत महा7वयालयQ अथवा 7वNव7वयालय कA अनुसूची मH 7व:न,दDबट इस अ4ध:नयम के लागू होने के तुरत पहले कोई भी अSययनरत 7वयाथ□ या जो इस 7वNव7वयालय कA Fकसी परVका मH सि.मलत होने का अ4धकारV था उसे अपना पाय□म पूरा करने कA अनुम:त दV जाएगी और ऐसे 7वया4थDयQ के शकण, शकण और परVका कA िज.मेदारV संबM 7वNव7वयालय पर तब तक होगी जैसा :न,दDबट Fकया गया हो।

46. कgठनाइयV को दूर करने कC शिQत:-

(1) य,द इस अ4धःनयम के Fकसी ावधान को लागू करने मH क,ठनाई उपिथत हो रहV हो तो शासकAय राजपi मH काशत आदेश के वारा जो इस अ4धःनयम के ावधानQ के अेतगDत न हो रा>य सरकार क,ठनाइयQ को शी॥ दूर करने के लए आवNयक कदम उठायेगी।

बशvत□ इस अ4धःनयम के ारंभ के तीन वष□ के बाद उप धारा (1) के अंतगDत ऐसा कोई आदेश पाnरत नहVं Fकया जाएगा।

(2) इस अ4धःनयम के अंतगDत पाnरत vयेक आदेश को अ7वलंब रा>य 7वधानमंडल के समk रखा जाएगा।

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 25

अनुसूची - ए (A)

- (1) एकल भाव-kेi के लए मु#य पnरसर मH कम से कम 10 एकड़ जमीन उपल□ध कराना होगा और बहु भाव केi के लए 25 एकड़, जो Fक 7वNव7वयालय कA Iथापना के दो वष□ के अेदर करना होगा। एकAकृत कz पस मH ेकागृह, कैफेटेनरया, छािावास इvया,द ऐसी सु7वधायH हो सकती हz, अतः जमीन कA आवNयकता मH तदनुसार बदलाव हो सकता है।
- (2) eयूनतम एक हजार वगD मीटर का शासकAय भवन, शैjkक भवन, िजसमH पुातकालय, □या#यान कk, योगशालाएँ हQ वह अ~पतम 10 हजार वगD मीटर कA हQगी, शkकQ के लए पयाD\त आवासीय □यवाIथा, अःत4थ गृह, छािावास िजसे □मशः इतना बढ़ाया जायेगा Fक 7वया4थDयQ कA कुल सं#या का कम से कम 25 :तशत उसमH रह सके, ऐसा आितvव मH आने के तीन वष□ के भीतर करना होगा। अगर 7वNव7वयालय □यावसाःयक शkा का कायD□म कराता है तो उसके लए वैधाःनक :नकाय वारा Fकये गये मानकQ तथा मानदंडQ को Iवीकार करना होगा। रा>य सरकार वारा :नधाDnरत मानकQ के आधार पर 7वयमान सांथान 7वातार /पुनcMार/पुनरDचना करेगा।

झारखंड रा>यपाल के आदेश से,
संजय 5साद,
धान स4चव-सह-7व4थ परामश□
7व4थ 7वभाग, झारखंड, राँची।

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

वध (वधान) वभाग

अ4धसूचना

6 ,दस.बर, 2018

संया-एल०जी०-20/2018-186/लेज०-- झारखंड 7वधान मंडल वारा यथा पाnरत और माननीया

रा>यपाल वारा ,दनांक 19 नवबर, 2018 को अनुमत राम कृbण धमाDथD फाउंडेशन

(आर०के०डी०एफ०) 7वNव7वयालय अ4धःनयम, 2018 का :न.नांFकत अेजी अनुवाद झारखंड

रा>यपाल के ा4धकार से इसके वारा काशत Fकया जाता है िजसे भारतीय सं7वधान के अनु□छेद

348 के खंड (3) के अधीन उ्त अ4धःनयम का अेजी भाषा मH ा4धकृत पाठ समझा जाएगा।

THE RAM KRISHNA DHARMARTH FOUNDATION (RKDF) UNIVERSITY

ACT, 2018

(JHARKHAND ACT, 22, 2018)

Preamble

An Act to provide for the establishment and incorporation of the **Ram Krishana Dharmarth Foundation (RKDF), UNIVERSITY** in the State of Jharkhand, and to confer the status of a Private University thereon and for matters connected therewith and incidental thereto;

WHEREAS it is expedient to provide for the establishment and incorporation of the **RAM KRISHNA DHARMARTH FOUNDATION (RKDF) UNIVERSITY** at RANCHI, Jharkhand promoted by Ayushmati Education and Social Society, Coorporate Office: 202, Zone-1, Ganga Jamuna Complex, M.P. Nagar, Bhopal, (Society) created and registered under Madya Pradesh, Bhopal, Hosangabad Society Registration Act, 1973 (Registration No. 7407/1999 dated 15.10.1999) and to confer the status of a Private University thereon and for the matters connected therewith and incidental thereto;

It is hereby enacted in the Sixty-Nineth year of the Republic of India, by the Legislature of Jharkhand, as follows:

1.Short Title, Extent and Commencement.

(1)This Act may be called "THE RAM KRISHNA DHARMARTH FOUNDATION (RKDF) UNIVERSITYACT, 2018".

(2)It shall extend to the whole of the State of Jharkhand.

2.Definitions.

In this Act, unless the context otherwise requires:

झारखण्डगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 27

- (a) "Academic Council" means the Academic Council of the University as specified in section 24 of the Act;
- (b) "Annual Report" means the Annual report of the University as referred to in section 39 of the Act;
- (c) "Board of Management" means the Board of Management of the University as constituted under section 23 of the Act;
- (d) "Campus" means the area of the university in which it is established;
- (e) "Chancellor" means the Chancellor of the University appointed under section 12 of the Act;
- (f) "The Chief Finance and Accounts Officer" means the Chief Finance and Accounts Officer of the University appointed under section 18 of the Act;
- (g) "Controller of Examinations" means the Controller of Examinations of the University appointed under section 19 of the Act;
- (h) "Constituent College" means a college or an institution maintained by the University;
- (i) "Employee" means employee appointed by the University; and includes teachers and others staff of the University or of a constituent college;
- (j) "Endowment fund" means the endowment fund of the University established under section 37 of the Act;

- (k) "Faculty" means group of academic departments of similar disciplines;
- (l) "Fee" means collection made by the university from the students for the purpose of any course of study and incidental thereto, in the University;
- (m) "General Fund" means the General fund of the University established under section 38 of the Act;
- (n) "Governing Body" means the Governing Body of the University constituted under section 22 of the Act;
- (o) "National Assessment and Accreditation Council" means National Assessment and Accreditation Council, Bengaluru, an autonomous institution of the University Grants Commission;
- (p) "Prescribed" means prescribed by the Statutes and the rules made under this Act;
- (q) "ProVice-Chancellor" means the Pro-Vice-Chancellor of the University appointed under section 15 of the Act;
- (r) "Registrar" means the Registrar of the University appointed under section 17 of the Act;
- (s) "Regulatory Body" means a body established by the Government of India for laying down norms and conditions for ensuring academic standards of higher education, such as University Grants Commission, All India Council for Technical Education, National Council for Teacher Education, Medical Council of India, Bar Council of India, Pharmacy Council of India, National Assessment and Accreditation Council, Indian Nursing Council, Indian Council of Agriculture Research, Council of Scientific and Industrial Research, etc. and includes the Government or any such body constituted by the Government of India or the State Government;

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

- (t) "Rules" means the rule of the University made under this Act;
- (u) "Schedule" means schedule appended to this Act;
- (v) "Sponsoring Body" in relation to the university means(i) a society registered under Societies Registration Act 1860, or (ii) a public trust registered under Indian Trust Act 1882, or (iii) a society or trust registered under the law of any other State;
- (w) "State Government" means the State Government of Jharkhand;
- (x) "Statutes", "Ordinances", and "Regulations" mean respectively, the Statutes, Ordinances and Regulations of the University made under this Act;
- (y) "Student of the university" means a person enrolled in the university for taking a course of study for a degree, diploma, or other academic distinction duly instituted by the university, including a research degree;
- (z) "Teacher" means a Professor, Associate Professor, Assistant Professor or such of the other person as may be appointed for imparting instruction or conducting research in the University or in a Constituent College or Institution and includes the Principal of a Constituent College or institution, in conformity with the norms prescribed by the University Grants Commission;
- (aa) "University Grants Commission" means the University Grants Commission established under the University Grants commission Act, 1956;
- (ab) "University" means the **RAM KRISHNA DHARMARTH FOUNDATION (RKDF) UNIVERSITY**, Jharkhand established under this Act.

- (ac) "Vice-Chancellor" means the Vice-Chancellor of the University appointed under section 13 of the Act;
- (ad) "Visitor" means the Visitor of the University referred to in section 10 of the Act.

3. Establishment of University.

- (1) There shall be established the University by the name '**RAM KRISHNA DHARMARTH FOUNDATION (RKDF) UNIVERSITY**'
- (2) The headquarters of the University shall be within the State of Jharkhand and shall be situated at Ranchi.
- (3) The University shall start operation only after the State Government issues the letter of authorization.
- (4) The university shall meet the conditions mentioned in the schedule A of the Act within the stipulated time.
- (5) The Governing Body, the Board of Management, the Academic Council, the Chancellor, the Vice Chancellor, the Pro Vice Chancellor, the Registrar, the Teachers, the Chief Finance and Accounts Officer and such other officers or members or authorities so long as they continue to hold such office or membership of the University hereby constitute a body corporate by the name of the University.
- (6) The University shall function as non-affiliating University and they shall not affiliate any other college or institute for the conferment of degree, diploma and for grant of certificate to the students admitted therein.

झारखण्डगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 29

- (7) The constituent colleges and institutions of the Sponsoring Body affiliated to and enjoying the privileges of any University immediately before the commencement of this Act shall cease to be affiliated from that University and shall be deemed to be withdrawn from such privileges from the date of commencement of this Act and shall be deemed to be admitted to the privileges of **RAM KRISHNA DHARMARTH FOUNDATION (RKDF) UNIVERSITY**.

University of the Sponsoring Body and all such colleges and institutions shall be the constituent colleges and institutions of **RAM KRISHNA DHARMARTH FOUNDATION (RKDF) UNIVERSITY**.

- (8) The University shall be a body corporate by the name '**RAM KRISHNA DHARMARTH FOUNDATION (RKDF) UNIVERSITY**' and will have perpetual succession and common seal with power, subject to the provisions of this Act, to acquire and hold property, to contract and shall, by the said name, sue or be sued.

- (9) The University shall not receive any grant-in-aid or other financial assistance from the State Government or the Central Government.

Provided that, the State Government or the Central Government may provide financial support, including through grants or otherwise

- (a) for research, development and other activities for which other State Government organizations are provided financial assistance,
- or
- (b) for any specific research or programme based activity.

4. Properties of the University and its Application.

- (1) On the establishment of the University the land and other movable and immovable properties acquired, created, arranged, or built by the University for the purpose of the University in the State of Jharkhand shall vest in the University.
- (2) The land, building and other properties acquired for the University shall not be used for any purpose other than that for which the same is acquired.
- (3) The properties, movable or immovable, of the university shall be administered by the Governing Body in such manner as may be provided for by the regulations.
- (4) The properties in the name of the university under sub-section (1) shall be applied for meeting the liabilities of the university in the event of dissolution or winding up of the university in such manner as may be prescribed in the rules.

5. Restrictions and obligations of the University.

- (1) The tuition fees for professional courses such as Engineering & Technology, Medicine, Management, etc., in the university shall be determined by the University under the supervision of the regulatory body notified by the State Government from time to time.
- (2) Admission in the University shall be strictly on the basis of merit. Merit for admission in the University may be determined either on the basis of marks or grade obtained in the qualifying examination and achievements in co-curricular and extra-curricular activities or on the basis of marks or grade obtained in the entrance test conducted at State level either by the University or an association of the Universities conducting similar courses or by any agency of the State Government.

झारखण्डगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

Provided that the admission in professional educational colleges or institutions of the University shall be governed under the provisions of the Regulatory Bodies.

- (3) The university shall allow merit scholarship to at least five percent of the total strength, to the students belonging to poor and economically backward classes. The relevant criteria for determining the poor and economically backward classes shall be such as may be determined by the State Government from time to time.
- (4) The university shall compulsorily make provisions for reservation of seats for the students domiciled in the State of Jharkhand to the extent of at least twenty five percent of the total students in the university. The reservation of seats shall be regulated by the laws and orders of the State Government from time to time.
- (5) The university shall make provisions for reservation of non-teaching posts in the university for the persons domiciled in the State of Jharkhand to the extent of at least fifty percent of the total number of non-teaching posts of the university. The reservation of seats shall be regulated by the laws and orders of the State Government from time to time.
- (6) The university shall appoint adequate number of teachers and officers in the University for maintaining the academic standards specified and shall ensure that the qualifications of such teachers or officers of the university shall not be lower than prescribed by the relevant Regulatory Bodies.

- (7) The university shall compulsorily place in the public domain every information in relation to the University which would be of interest to the students and other stakeholders *inter alia*, including the courses offered, number of seats under different categories, fees and other charges, facilities and amenities offered, faculty in place and such other relevant information.
- (8) The Convocations of the University may, for conferring degrees, diplomas or for any other purpose, be held in every academic year in the manner as may be prescribed by the Statutes.
- (9) The University shall obtain accreditation from the National Council of Assessment and Accreditation (NAAC) within five years of its establishment and such other regulating bodies of Government of India which are connected with the courses taken up by the University and inform the State Government about the grade provided to the University. The University shall get renewed such accreditation from time to time.
- (10) Notwithstanding anything contained in this Act, the University shall be bound to comply the conditions mentioned in Schedule A of this Act, and all the rules, regulations, norms, etc. of the regulating bodies of Government of India and State Government and provide all such facilities and assistance to such bodies as are required by them to discharge their duties and carry out their functions.

6. Objects of the University.

The objects of the University shall be to disseminate and advance knowledge and skill by providing instructional, research and extension of facilities and in such branches of learning as it may deem fit and the University shall endeavour to provide to students and teachers the necessary atmosphere and facilities for the promotion of:

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 31

- (a) Innovations in education leading to restructuring of courses, new methods of teaching, training, and learning including online learning, blended learning, continuing education and such other modes and integrated and wholesome development of personality;
- (b) Studies in various disciplines;
- (c) Inter disciplinary studies;
- (d) National integration, secularism and social equity and International understanding and ethics.

7. University open to all irrespective of sex, religion, class, colour, creed, or opinion.

No person shall be discriminated against or be excluded from any office of the university or from membership of any of its authorities or from admission to any course of study leading to a degree, diploma or other academic distinction on the grounds of sex, race, creed, class, caste, place of birth and religious belief or political or other opinion.

8. Powers and functions of the University.

- (i) To administer and manage the University, establish, administer and manage its constituent colleges and centres for research, education, training, extension and outreach including continuing education, distance learning and e-learning at its campus within the State of Jharkhand;
- (ii) To provide for research, higher education, professional education, teaching training, extension and outreach including continuing education, distance

learning and e-learning in the fields of science, technology, humanities, social sciences, education, management, commerce, law, pharmacy, healthcare and any other fields;

- (iii) To conduct innovative experiments in educational technologies, teaching and learning methods, to collaborate with national and international institutions and to offer joint programmes with such institutes to constantly improve the delivery of education and to achieve international standards of education;
- (iv) To prescribe courses, curricula and methodologies including electronic and distance learning and provide for flexibility in the delivery of education.
- (v) To hold examination and confer degree, diploma or grant certificate and other academic distinctions or title on persons subject to such condition as the University may determine and to withdraw or cancel any such degree, diploma or certificates and other academic distinction or titles in the manner prescribed by the Regulations;
- (vi) to institute and award fellowships, scholarships, medals and prizes;
- (vii) to confer honorary degrees or other distinction on the manner prescribed by the Statutes;
- (viii) to establish schools, centres, institutes, college and conduct the programme and courses of study as are in the opinion of the University, necessary for the furtherance of its objects;
- (ix) To declare as a constituent college any college, centre, institution imparting education as are in the opinion on the University necessary for the furtherance of its objects or to establish a new constituent college, centre, institution for the purpose;
- (x) To provide for printing, publication and reproduction of research, educational material and other works and to organize exhibitions, conferences, workshops and seminars;
- (xi) To establish knowledge resource centre; (xii) To sponsor and undertake research and educational programmes in the fields of

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

science, technology, humanities, social sciences, education, management, commerce, law, pharmacy, healthcare and any other allied areas;

- (xiii) To collaborate or associate with any educational institution with like or similar objects;
- (xiv) To establish campuses including virtual campus for the purpose of achieving the objectives of the University;
- (xv) To undertake research and to obtain registration in respect of such research in the nature of patents, design rights and such or similar rights with the competent authorities;
- (xvi) To maintain linkages and collaborate with educational or other institutions in any part of the world having objects wholly or partially similar to those of the University, through exchange of students, researchers, faculty and staff and generally in such manner as may be conducive to their common objects;
- (xvii) To render services of research, training, consultancy and such other services as required for the purposes of the University;
- (xviii) To develop and maintain relationships with faculty, researchers, administrators and domain experts in science, technology, humanities, social

sciences, education, management, law, commerce, pharmacy, healthcare and allied area for achieving the objects of the University;

(xix) to make special arrangement in respect to women and other disadvantaged students as the University may consider desirable;

(xx) To regulate the expenditure and to manage the finances and to maintain the accounts of the University;

(xxi) To receive funds, movable and immovable properties, equipments, software and other resources from business, industry, other sections of society, national and international organization or any other source by transfers or as gifts, donations, benefactions or bequests for the purposes and objects of the University;

(xxii) To establish, maintain and manage halls, hostels for students and quarters for the residence of faculty and staff;

(xxiii) To construct, manage and maintain centres, complexes, auditorium, buildings, stadium for the advancement of sports, cultural, co-curricular and extra-curricular activities;

(xxiv) To supervise and control the residence and regulate the discipline of students, faculty and staff of the University and to make arrangements for promoting their health, general welfare, social and cultural activities;

(xxv) To fix, demand and receive or recover fees and such other charges as may be prescribed by the Statutes;

(xxvi) To institute and award fellowships, scholarships, prizes, medals and other awards; (xxvii) To purchase or to take on lease or accept as gifts, bequests, legacies or otherwise any land or building or works which may be necessary or convenient for the purpose of the University and on such terms and conditions as it may think fit and proper and to construct or alter and maintain any such building or works;

(xxviii) To sell, exchange, lease or otherwise dispose of all or any portion of the properties of the University, movable or immovable, on such terms as it may think fit and consistent with the interest, activities and objects of the University;

(xxix) To draw and accept, to make and endorse, to discount and negotiate promissory notes, bills of exchange, cheques and other negotiable instruments;

(xxx) To raise and borrow money on bond, mortgages, promissory notes or other obligations or securities founded or based upon all or any of the properties and assets of the University or without any securities and upon such terms and conditions as it may think fit and to pay all expenses out of the funds of the University,

9. Bar to affiliation.

झारखंड गजट (असाधारण) गु*वार, 6 दस.बर, 2018 33

- (1) The University shall not admit any college or institution to the privilege of affiliation.
- (2) The University may open any off campus, offshore campus, and study centre, examination centre in or out of the State of Jharkhand only after the prior approval of University Grants Commission or such regulatory body established by the Government or State or Central Government, as the case may be.
- (3) Courses under Distance mode can be started only after the prior approval of University Grants Commission or such regulatory body established by the Government.

10. The Visitor.

- (1) The Governor of Jharkhand will be the Visitor of the University
- (2) The Visitor shall, when present, preside at the convocation of the University for Conferring Degrees, Diplomas, charters, Designation and certificates.
- (3) The Visitor shall have the right to visit the University or any institution maintained by the University to ensure the standard of education, discipline, decorum and proper functioning of the university.

11. Officers of the University.

The following shall be the officers of the University:

- (a) The Chancellor
- (b) The Vice Chancellor
- (c) The Pro Vice Chancellor
- (d) Director/Principal
- (e) The Registrar
- (f) The Chief Finance and Accounts Officer
- (g) The Controller of Examinations
- (h) The Dean of Students Welfare
- (i) The Dean of Faculty
- (j) The Proctor, and
- (k) Such other officers as may be declared by the Statute to the officers of the University.

12. The Chancellor:

- (1) The Chancellor shall be appointed by the Sponsoring Body for a period of five years with the approval of the Visitor by following such procedures and on such terms and conditions as may be prescribed. On the expiry of the term, the Chancellor may be reappointed by the Sponsoring Body in consultation with the Visitor.
- (2) The Chancellor by virtue of his office shall be the head of the University.
- (3) The Chancellor shall preside over the meetings of the Governing Body and shall, when the Visitor is not present, preside over the convocation of the University for conferring degrees, diplomas, or other academic distinctions.

झारखण्ड गजट (असाधारण) गु*वार, 6, दस.बर, 2018

- (4) The Chancellor may in writing under his hand addressed to the head of the sponsoring body resign his office.
- (5) The Chancellor shall have the following powers, namely:
 - (a) to call for any information or record;
 - (b) to appoint the Vice Chancellor;
 - (c) to remove the Vice Chancellor in accordance with the provisions of this Act;
 - and
 - (d) such other powers as may be conferred on him by this Act or Statutes made thereunder.

13. The Vice Chancellor:

- (1) The Vice Chancellor shall be appointed by the Chancellor as per the qualifications prescribed by the University Grants Commission and shall hold office for a period of five years .Provided that a person appointed as Vice Chancellor shall retire from office during tenure of his office or extension thereof, if any when he completes the age of 70 years.

Provided further that after the expiry of the term of five years, the Vice Chancellor shall be eligible for re-appointment for another term of five years.

- (2) The Vice Chancellor shall be the principal executive and academic officer of the University and shall exercise general superintendence and control over the affairs of the university and shall execute the decisions of various authorities of the university.
- (3) In the absence of both the Visitor and the Chancellor, the Vice Chancellor shall preside over the convocation of the university.
- (4) The Vice Chancellor may, if he/she is of the opinion that immediate action is necessary on any matter, exercise any power conferred on any authority of the University by or under this Act and shall convey to such authority the action taken by him on such matters;

Provided that if the authority of the University or any person in the service of the University who is aggrieved by the action taken by the Vice Chancellor under this sub section may prefer an appeal to the Chancellor within one month from the date of communication of such decision. The Chancellor may confirm, modify or reverse action taken by the Vice Chancellor.

- (5) The Vice Chancellor shall exercise such powers and perform such other functions as may be prescribed.

14. Removal of the Vice Chancellor.

- (1) If at any time and after such inquiry as may be considered necessary, it appears to the Chancellor that the Vice Chancellor:
 - (a) has failed to discharge any duty imposed upon him by or under this Act, the Statutes, the Ordinances, or
 - (b) has acted in a manner prejudicial to the interests of the university, or

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 35

 - (c) is incapable of managing the affairs of the university, then the Chancellor may, notwithstanding the fact that the term of office of the Vice Chancellor has not expired, require the Vice Chancellor, by an order in writing stating the reason therefore, to resign his post from the date as may be specified in the order.
- (2) No orders under sub –section (1) shall be passed unless a notice stating the specific grounds on which such action is proposed , has been served and a reasonable opportunity to show cause against the proposed order has been given to the Vice Chancellor.

15. The Pro Vice-Chancellor:

- (1) The Pro Vice-Chancellor shall be appointed by the Chancellor in such manner and shall exercise such powers and perform such functions as may be prescribed.
- (2) The Pro Vice-Chancellor appointed under sub section (1) shall discharge his duties in addition to his duties as a Professor.
- (3) The Pro Vice-Chancellor shall assist the Vice Chancellor in discharging his duties as
and when required by the Vice Chancellor.
- (4) The Pro Vice-Chancellor shall get honorarium of such amount as may be determined by the sponsoring body.

16. Director(s)/Principal(s):

The Director/Principal shall be appointed in such manner and shall exercise such powers and perform such functions as may be prescribed.

17. Registrar:

- (1) The Registrar shall be appointed by the Chairperson of the Sponsoring Body in such manner, as may be specified in the Statutes. The Registrar shall possess the qualifications prescribed by the University Grants Commission.
- (2) The Registrar shall have the power to enter into agreements, sign documents and authenticate records on behalf of the University and shall exercise such other power and perform such other functions as may be prescribed.
- (3) The Registrar shall be the ex officio Member Secretary of the Executive Council and
the Academic Council but shall not have a right to vote.

18. The Chief Finance and Accounts Officer:

- (1) The appointment of the Chief Finance and Accounts Officer shall be made by the Chairperson of the Sponsoring Body in such manner as may be specified by the Statutes.
- (2) The Chief Finance and Accounts Officer shall exercise such powers and perform such duties as may be specified by the Statutes.

19. The Controller of Examinations:

- (1) The Controller of Examinations shall be whole time officer of the university and shall be appointed by the Chancellor in accordance with the Statutes.
- (2) it shall be the duty of the Controller of Examinations:

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

- (a) to conduct examinations in a disciplined and efficient manner;
- (b) to arrange for the setting of question papers with strict regards to secrecy;
- (c) to arrange for the evaluation of answer sheets in accordance with the planned time schedule for results;
- (d) to constantly review the system of examinations in order to enhance the level of impartiality and objectivity with a view to make it better instrument for assessing the attainments of students;
- (e) to deal with any other matter connected with examinations which may, from time

to time be assigned to him by the Vice Chancellor.

- 20. Other Officers:** Manner of appointment and power and duties of the other officers of the University including the Dean of Students Welfare, Dean of faculty, and Chief Proctor shall

be such as may be prescribed.

21. Authorities of the University:

The following shall be the authorities of the University:

- (a) The Governing Body
- (b) The Board of Management
- (c) The Academic Council
- (d) The Finance Committee
- (e) The Planning Board
- (f) Such other authorities as may be declared by the Statutes to be the authorities of the University.

22. The Governing Body:

- (1) The Governing Body shall have the following members, namely:
 - (a) the Chancellor;
 - (b) the Vice-Chancellor;
 - (c) the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand, or his nominee;
 - (d) five persons nominated by the sponsoring body, out of which two shall be eminent educationists;
 - (e) one expert of management or technology from outside the university, nominated by the Chancellor; and
 - (f) one expert of finance, nominated by the Chancellor.
- (2) The Governing Body shall be the supreme authority and principal governing body of the University. It shall have the following powers, namely:
 - (a) to provide general superintendence and directions and to control the functioning of the university by using all such powers as are provided by this Act, Statutes, Ordinances, Regulations or Rules;
झारखण्ड गजट (असाधारण) गु*वार, 6 दस.बर, 2018 37
 - (b) to review the decisions of other authorities of the university in case they are not in conformity with the provisions of Act, Statutes, Ordinances, Regulations or Rules;
 - (c) to approve the budget and annual report of the university;
 - (d) to lay down the extensive policies to be followed by the university;
 - (e) to recommend to the sponsoring body for the dissolution of the university if a situation arises when there is no smooth functioning of the university in spite of best efforts; and
 - (f) such other powers as may be specified by the Statutes.
- (3) The Governing Body shall meet at least three times in a calendar year.
- (4) The quorum of the meeting shall be four;

Provided that the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand, or in his absence, Director, Higher Education shall be present in each meeting in which decisions on issues involving Government policies/ instructions are to be taken.

23. The Board of Management.

- (1) The Board of Management shall consist of the following members, namely:
 - (a) the Vice-Chancellor;
 - (b) the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand or his nominee;
 - (c) two members of the Governing Body, nominated by the sponsoring body;
 - (d) three persons, who are not the members of the Governing Body, nominated by the sponsoring body;
 - (e) three persons, from amongst the teachers, nominated by the sponsoring body;
 - (f) two teachers, nominated by the Vice Chancellor.
- (2) The Vice Chancellor shall be the Chairperson of the Board of Management.
- (3) The powers and functions of the Board of Management shall be such as may be specified by the Statutes.
- (4) The quorum for the meeting of the Board of Management shall be five;

Provided that the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand, or in his absence, Director, Higher Education shall be present in each meeting in which decisions on issues involving Government policies/ instructions are to be taken.

24. The Academic Council.

- (1) The Academic Council shall consist of the Vice Chancellor and such members as may be specified by the Statutes.
- झारखण्डगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018
- (2) The Vice-Chancellor shall be the Chairperson of the Academic Council.
 - (3) The Academic Council shall be the principal academic body of the university and shall, subject to the provisions of this Act, Statutes, Ordinances, Regulations or Rules, coordinate and exercise general supervision over the academic policies of the university.
 - (4) The quorum for meetings of the Academic Council shall be such as may be specified by the Statutes.

25. The Finance Committee.

- (1) The Finance Committee shall be the principal financial body of the University to take care of the financial matters.
- (2) The constitution, powers and functions of the Finance Committee shall be such as

may be prescribed

26. The Planning Board.

(1) The Planning Board shall be the principal planning body of the University and shall

ensure that the infrastructure and academic support system meets the norms of the University Grants Commission or the respective Councils.

(2) The constitution of the planning board, term of office of its members and its power

and functions shall be such as may be prescribed.

27. Other Authorities.

The constitution, powers and functions of other authorities of the University, shall be such as may be prescribed.

28. Disqualification for membership of an authority or body.

A person shall be disqualified from being a member of any of the authorities or bodies of the university, if he/she:

- (a) is of unsound mind and stands so declared by a competent court;
- (b) is an undischarged insolvent;
- (c) has been convicted of any offence involving moral turpitude;
- (d) has been punished for indulging or in promoting unfair practice in the conduct of any examination, in any form, anywhere.

29. Vacancies not to invalidate the constitution of, or the proceedings of any authority or body of university.

No act or proceedings of any authority of the University shall be invalid merely by reason of any vacancy in or defect in the constitution of any authority or body of the University.

30. Constitution of Committees.

The authorities of the University may constitute such committee with such terms of reference as may be necessary for specific tasks to be performed shall be such as may be prescribed by the Statutes.

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 39

STATUTES, ORDINANCE AND REGULATIONS

31. First Statute.

(1) Subject to the provisions of this Act, and the rules made thereunder, the First Statutes may

provide for all or any of the following matters, namely:

- (a) the constitution, powers and functions of the authorities and other bodies of the University as maybe constituted from time to time;
- (b) the terms and conditions of appointment of the Chancellor, the Vice Chancellor and their powers and functions;
- (c) the manner and terms and conditions of appointment of the Registrar and Chief

- Finance and Accounts Officer, their powers and functions;
- (d) the manner and terms and conditions of appointment of other officers and teachers and their powers and functions;
- (e) the terms and conditions of service of employees of the University;
- (f) the procedure for arbitration in cases of disputes between employees or students and the University;
- (g) the conferment of honorary degrees;
- (h) the provisions regarding exemption from payment of tuition fee and awarding scholarships and fellowships to the students;
- (i) framing of policy for admission, including regulation of reservation of seats; and
- (j) fees to be charged from students.
- (2) The First Statutes of the University shall be made by the Governing Body and shall be submitted to the State Government for its approval.
- (3) The State Government shall consider the First Statutes, submitted by the University and shall approve it within sixty days from the date of its receipt, with or without modifications as it may deem necessary.
- (4) The University shall communicate its agreement to the First Statutes as approved by the State Government, and if it desires not to give effect to any or all the modifications made by the State Government under sub-section (3), it may give reasons therefore and after considering such reason, the State Government may or may not accept the suggestions made by the University.
- (5) The State Government shall publish the First Statutes, as finally approved by it, in the publication.

32. Subsequent Statutes.

- (1) Subject to the provisions of this Act and the rules made thereafter, the subsequent Statutes of the University may provide for all or any of the following matters, namely :-
- (a) Creation of new authorities of the University;
- (b) Accounting policy and financial procedure;
- (c) Representation of teachers in the authorities of the University;
- (d) Creation of new departments and abolition or restructuring of existing departments;
- झारखंड गजट (असाधारण) गु*वार, 6, दस. बर, 2018
- (e) Institution of medals and prizes;
- (f) Procedure for creation and abolition of posts;
- (g) Revision of fees;

- (h) Alteration of the number of seats in different disciplines; and
 - (i) All other matters which by or under the provision of this Act required to be prescribed by the Statutes.
- (2) The Statutes of the University other than the First Statutes shall be made by the Board of Management with the approval of the Governing Body.
- (3) The Statutes made under sub-section (2) shall be submitted to the State Government and it may approve or, if considers necessary, give suggestions for modification as far as possible within two months from the date of receipt of the Statutes.
- (4) The Governing Body shall consider the modifications suggested by the State Government and return the Statutes to it with its agreement to such changes or with its comments on the suggestions made by the State Government.
- (5) The State Government shall consider the comments of the Governing Body and may approve the Statutes with or without modifications and it shall be published by it in the Official Gazette, and shall come into force from the date of such publication.

33. First Ordinance.

- (1) Subject to the provisions of this Act, the rules and the Statutes made thereunder, the First Ordinances may provide for all or any of the following matter, namely :-
- (a) The admission of students to the University and their enrolment as such;
 - (b) The courses of study to be laid down for degrees, diplomas and certificates of the University;
 - (c) The award of degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions, the minimum qualifications for the same;
 - (d) The conditions for award of fellowships, scholarships, stipends, medals and prizes;
 - (e) The conduct of examinations, including the terms of office and manner of appointment and the duties of examining bodies examiners and moderators;
 - (f) Fees to be charged for the various courses examinations, degrees or diplomas of the University;
 - (g) The conditions of residence of the students of the University;
 - (h) Provision regarding disciplinary action against the students;
 - (i) The creation, composition and functions of any other body which is considered necessary for improving the academic life of the University;
 - (j) The manner of co-operation and collaboration with other Universities and institutions of higher education;
 - (k) Such other matters which are required to be provided by the Ordinances by or under this Act.

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 41

(2) The First Ordinances of University shall be made by the Chancellor which after being approved by the Board of Management, shall be submitted to the State Government for its approval.

(3) The State Government shall consider the First Ordinance submitted by the Chancellor under sub-section (2) within sixty days from the date of its receipt and may approve it or give suggestions for modifications therein.

(4) The Chancellor shall either modify the Ordinances incorporating the suggestion of the State Government or give reasons for not incorporating any of the suggestions made by the State Government and shall return the First Ordinances along with such reasons, if any, to the State Government and on receipt of the same, it shall consider the comments of the Chancellor and may approve the First Ordinances of the University with or without such modifications and it shall be published by the State Government in the Official Gazette, and it shall come into force from the date of such publication.

34. Subsequent Ordinances.

(1) All Ordinances other than the First Ordinances shall be made by the Academic Council which after being approved by the Governing Body shall be submitted to the State Government for its approval.

(2) The State Government shall consider the Ordinances submitted by the Academic Council under sub-section (1) as far as possible within two months from the date of its receipt and may approve it or give suggestions for modifications therein.

(3) The Academic Council shall either modify the Ordinances incorporating the suggestion of the State Government or give reasons for not incorporating any of the suggestions made by the State Government and shall return the Ordinances along with reason, if any, to the State Government and on receipt of the same, it shall consider the comments of the Academic Council and may approve the Ordinances with or without modifications and it shall be published by it in the Official Gazette, and shall come into force from the date of such publication.

35. Regulations.

The authorities of the University may, subject to the prior approval of the Governing Body make Regulation, consistent with this Act, the Statutes and the Ordinances made thereunder, for the conduct of business of the each such authority and committee constituted by each such authority.

36. Powers of State Government to give directions.

(1) The State Government may, for the purpose of ascertaining the standards of teaching, examination and research or any other matter relating to the University, cause an assessment to be made in such manner as may be prescribed, by such person or persons as it may deem fit.

(2) The State Government shall communicate its recommendations to the University on the basis of such assessment for corrective action. The University may adopt such corrective measures and make efforts so as to ensure the compliance of the recommendations.

(3) The State Government may give such directions as it may deem fit if the University fails to comply with the recommendation made under sub-section(2) within a reasonable time. The directions given by the State Government shall be immediately complied by the University.

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

FUNDS OF UNIVERSITY

37. Endowment Fund.

(1) The sponsoring body shall establish an Endowment Fund for the university with an amount specified in the Letter of Intent.

(2) The Endowment Fund shall be used as security deposit to ensure that the university complies with the provisions of this Act and functions as per the provisions of this Act, the Statutes and the Ordinances. The State Government shall have the power to forfeit, a part or whole of the Endowment Fund in case the university or the sponsoring body contravenes the provisions of this Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the rules made there under.

(3) The university may utilize the income from the Endowment Fund for the development of infrastructure of the university and not to meet the recurring expenditure of the university.

(4) The amount of Endowment Fund shall be invested in such instruments as the Government may prescribe and kept invested until the dissolution of the university.

(5) In case of investment in long term security, the certificates of the securities shall be kept in the safe custody of the Government and in case of deposit in the interest bearing Personal Deposit account in the Government Treasury, deposit shall be made with the condition that the amount shall not be withdrawn without the permission of the Government.

38. General Fund.

(1) The university shall establish a fund, which shall be called the General Fund to which the following shall be credited, namely:

- (a) Fees and other charges received by the university;
- (b) Any contribution made by the sponsoring body;
- (c) Any income received from consultancy and other work undertaken by the university in pursuance of its objective;
- (d) Trusts, bequests, donations, endowments and any other grants; and
- (e) All other sums received by the university.

(2) The General Fund shall be utilized for the following objects, namely:

- (a) For the repayment of debts including interest charges thereto incurred by the university for the purposes of this Act and the Statutes, the Ordinances, the Regulations, and the Rules made there under with the prior approval of the Governing Body;
- (b)

To upkeep the assets of the university; (c) For the payment of the fee for audit of the funds created under sections 7 and 8; (d) To meet with the expenses of any suit or proceedings by or against the university;

(e) For the payment of salaries, allowances, provident fund contributions, gratuity and other benefits to officers, employees, and members of the teaching and research staff;

(f) For the payment of travelling and other allowances of the members of the Governing Body, the Executive Council, the Academic Council, other authorities and the members of any committee appointed by any of the authority or the Chairperson of the sponsoring body or the Chancellor;

(g) For the payment of fellowships, freeships, scholarships, assistantships and other awards to the students belonging to economically weaker sections of the society

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 43

or research associates, trainees or, as the case may be, in any student otherwise eligible for such awards under the Statutes, the Ordinances, the Regulations or the Rules;

(h) For the payment of any expenses incurred by the university in carrying out the provisions of Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the Rules;

(i) for the payment of cost of capital, not exceeding the prime lending rate from time to time of the State Bank of India, incurred by the sponsoring body for setting up the university and the investments made therefore;

(j) for the payment of charges and expenditure relating to the consultancy work undertaken by the university in pursuance of this Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the rules;

(k) for the payment of any other expenses including service fee payable to any organization charged with the responsibility of providing any specific service, including the managerial services to the university, on behalf of the sponsoring body, as approved by the Governing Body to be an expense for the purposes of the university;

Provided that no expenditure shall be incurred by the university in excess of the limits for total recurring expenditure and total non-recurring expenditure for the year, as may be fixed by the Governing Body, without prior approval of the Governing Body.

ACCOUNTS, AUDIT AND ANNUAL REPORT

39. Annual Report.

The Annual Report of the University shall be prepared by the University which shall include among other matters, the steps taken by the University towards the fulfillment of its objects and shall be submitted to the State Government.

40. Audit and Annual Accounts.

(1) The annual accounts including balance sheet of the University shall be prepared by the University and the annual accounts shall be audited at least once in every year by the auditors appointed by the University for this purpose.

(2) A copy of the annual accounts together with the audit report shall be submitted to the State Government.

WINDING UP OF UNIVERSITY

41. Winding up of University.

(1) If the sponsoring body proposes to dissolve itself according to the provisions of law governing its constitution or incorporation; it shall give at least six months prior notice to the State Government.

(2) The State Government shall, on receipt of such notice make such arrangements as may be necessary, for the administration of the University from the date of dissolution of the sponsoring body till the completion of syllabus by the last batch of students admitted to the University and may also cause the functioning of the University to continue by appointing an administrator in place of the sponsoring body, who shall be entrusted

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018

with the powers, duties and functions of the Sponsoring body, duties and functions of the Sponsoring Body as prescribed under this Act.

42. Dissolution of University.

(1) The Sponsoring Body who intends to dissolve the University shall give a notice to that effect in the prescribed manner to the State Government. The State Government, after due consideration, may dissolve the University in the manner as may be prescribed;

Provided that the dissolution of the University shall have effect only after the last batches of students of the regular courses have completed their courses and they have been awarded degrees, diplomas or, as the case may be, awards.

(2) On the dissolution of the University all the assets and liabilities of the University shall vest in the Sponsoring Body in the manner as may be prescribed.

(3) Where the State Government decides under sub-section (1) to dissolve the University, it may vest the powers of the Governing Body in the prescribed manner to other societies having similar objects till the dissolution of the University takes effect under the proviso to sub-section (1).

43. Special powers of State Government under certain circumstances.

(1) Where the State Government is of the opinion that the University has contravened any of the provisions of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made thereunder or has violated any of the direction issued by it under this Act or a situation of financial mismanagement or mal-administration has arisen in the University, it shall issue the notice requiring the University to show cause within forty-five days as to why an administrator be not appointed.

(2) On receipt of reply of the University on the notice issued under sub section (1), if the State Government is satisfied that there is a prima facie case of contravention of any of the provision of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made thereunder or violation of directions issued by it under this Act or there is financial mismanagement or maladministration, it shall make an order of such inquiry as it may consider necessary.

(3) The State Government shall, for the purposes of any such inquiry under sub-section (2), appoint an inquiry officer or officers to inquire into any of the allegations and to make report thereon.

(4) The inquiry officer or officers appointed under sub-section (3) shall have the same powers as are vested in a Civil Court under the Code of Civil Procedure, 1908 while trying a suit in respect of the following matters, namely :-

(a) Summoning and enforcing the attendance of any person and examining him on oath;

(b) Requiring the discovery and production of any such document or any other material as may be predicable in evidence;

(c) Requisitioning any public record from any court or office.

(5) On receipt of the inquiry report from the officer or officers appointed under sub-section(3), if the State Government is satisfied that the University has contravened all or any of the provisions of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made there under or has violated any of the directions issued by it under this Act or a situation of

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018 45

financial mismanagement and maladministration has arisen in the University which threatens the academic standard of the University, it may appoint an administrator.

(6) The administrator appointed under sub-section (5) shall exercise all the powers and perform all the duties of the Governing Body and the Board of Management under this Act and shall administer the affairs of the University until the last batch of the students of the regular courses have completed their courses and they have been awarded with degrees, diplomas or, as the case may be, awards.

(7) After having been awarded the degrees, diplomas or, as the case may be, to the last batches of the students of the regular courses, the administrator shall make a report to that effect to the State Government.

(8) On receipt of the report under sub-section (7), the State Government shall dissolve the University and on dissolution of the University, all the assets and liabilities of the University shall vest in the sponsoring body.

MISCELLANEOUS

44. Power of the State Government to make Rules.

(1) The State Government may, by notification in the Official Gazette, make rules for carrying out the purposes of this Act.

(2) All rules made under this section shall be laid for not less than thirty days before the State Legislature as soon as may be after they are made and shall be subject to rescission by the State Legislature or to such modification as the State Legislature or to such modification as the State Legislature may make during the session in which they are so laid or the session immediately following.

45. Completion of courses of students.

Notwithstanding anything contained in this Act or the Regulations, any student of the constituent colleges or institutions of the University specified in the Schedule and affiliated to any University who immediately before the commencement of this Act was studying or was eligible for any examination of that University shall be permitted to complete his course in preparation therefore, and the University shall provide for the instruction, teaching, training and examination of such students, in accordance with the courses of studies of the respective University in such manner and for such period as may be prescribed.

46. Power to remove difficulties.

- (1) If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Act, the State Government may, by order published in the Official Gazette, take steps not inconsistent with the provisions of this Act, as appear to it to be necessary or expedient for removing the difficulty.

Provided that no notification order under sub section (1) shall be made after the expiration of a period of three years from the commencement of this Act.

- (2) Every order made under this section shall, as soon as may be after it is made, be laid before the State Legislature.

46

झारखंडगजट(असाधारण)गु*वार,6,दस.बर,2018



SCHEDULE A

(1) Acquire not less than 10 acres of land for its main Campus, if single-domain, and 25 acres of land, if multi-domain within two years after starting the functioning of the university. An integrated campus may have certain facilities in common such as auditorium, cafeteria, hostels, etc. and hence the land requirement may vary accordingly.

(2) Construct administrative building of at least 1000 sq. mtrs., academic building including library, lecture theatres, laboratories of at least 10000 sq. mtrs., adequate residential accommodations for teachers, guest houses, hostels which shall gradually be increased to accommodate at least 25% of the total student strength in each course within 3 years of its coming into existence. In case the University is conducting professional programmes of study, prevailing norms and standards of respective statutory body shall be applicable. Existing institutes must undertake expansion/renovation/restructuring to meet the prescribed norms of the State Government.

झारखंड राज्यपाल के आदेश से,

संजय साद,

धान सचिव-सह-

7व4ध परामश

7व4ध 7वभाग,

झारखंड, राँची।

रखंड राजकय मुणालय, राँची वारा काशत एवं
मु. झारखंड गजट (असाधारणअसाधारण) 1077 -- 50